महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

हर दिन अच्छा नही हो सकता लेकिन हर दिन में कुछ अच्छा जरूर होता है...

वर्ष : 17 अंक : 32 | उज्जैन, रविवार 12 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

युवाओं के सपनों को पूरा करने हर संभव मदद करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इनफ्लुएंसर्स से किया संवाद

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिये हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ युवा विकसित भारत ञ्च2047 के निर्माण में सहभागी बनते हुए प्रदेश की समृद्धि के भी सूत्रधार बनेंगे। राष्ट्र के नवनिर्माण में युवा शक्ति की प्रतिभा को निखारने के लिये हम प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिये संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क जैसे कौशल उन्नयन संस्थानों के द्वारा स्पेशल ट्रेनिंग दे रही है। दुनिया की सबसे बड़ी यंग जनरेशन भारत में है। हमारा देश युवाओं का देश है। युवाओं के बलबूते ही भारत हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। अपनी क्षमता, दक्षता, योग्यता, जोखिम लेने का साहस, बुद्धिमता और उद्यमशीलता से यही युवा नये विकसित भारत का निर्माण करेंगे। भारत के हृदय प्रदेश, मध्यप्रदेश में 2 करोड़ से अधिक युवा हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश यूथ कॉन्क्लेव-2026 में इनफ्लुएंसर्स के साथ संवाद किया। उन्होंने युवाओं के उत्थान और जन जागरूकता के लिए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के योगदान को सराहा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के डिजिटल इंफ्ल्यूएंसर्स को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डिजिटल कंटेंट अवॉर्ड प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक सोच, नवाचार और सामाजिक सरोकारों के साथ काम करने वाले युवा आज समाज में परिवर्तन के सशक्त वाहक बन रहे हैं और उनके योगदान को सम्मानित किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में इंदौर, उज्जैन, धार सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के 200 से अधिक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स और इंफ्ल्यूएंसर्स शामिल हुये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए समाज निर्माण, सकारात्मक परिवर्तन और जनजागरूकता में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म समाज को दिशा देने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज का यूथ केवल कंटेंट नहीं बना रहा, बल्कि विचारों को दिशा दे रहा है, समाज को जोड़ रहा है और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को स्वर दे रहा है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक और जिम्मेदार डिजिटल कंटेंट के माध्यम से युवा समाज में रचनात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगला साल (2027) प्रदेश की युवा शक्ति को समर्पित रहेगा। युवाओं के समग्र कल्याण सहित इन्हें रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कल्याण की शुरूआत इसी साल से इस यूथ कॉन्क्लेव के जरिए हो चुकी है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए युवाओं की सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम प्रदेश के विकास यज्ञ में युवाओं की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा साथी अपने जीवन में आगे बढ़ने और कुछ नया कर गुजरने के सपने देंखे, युवाओं के सपनों को पूरा करने में हमारी सरकार सभी प्रकार की मदद करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कॉन्क्लेव में आए युवाओं ने मध्यप्रदेश युवा संकल्प-2026 का मसौदा सौंपा। मुख्यमंत्री ने दस्तावेज तैयार करने के लिए अपने सुझाव देने वाले सभी युवा चिंतकों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का एक फैसला लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बैंकिंग प्रणाली और यूपीआई से जोड़ने के लिए करोड़ों लोगों के जीरो बैलेंस में बैंक खाते खुलवाए। यह वित्तीय समावेशन की दिशा में उठाया गया विश्व का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने कहा कि जो काम पहले असंभव मान लिया गया था, हमारी सरकार ने पुरजोर प्रयास कर उसे धरातल पर उतारा है। आज इंदौर शहर को भी नर्मदा का पवित्र जल मिल रहा है। प्रदेश में केन-बेतवा नदी लिंक और पीकेसी नदी लिंक परियोजनाओं पर काम जारी है। हमारी सरकार युवा शक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। युवा शक्ति अवसरों का भरपूर लाभ उठाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा शक्ति अपनी प्रतिभा से देश और समाज में अलग पहचान बनाए। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे तैयार करने के लिए युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई के लिए शिक्षा ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। रोजगारपरक उद्योग स्थापित करने पर ऐसे उद्यमियों को हमारी सरकार प्रत्येक श्रमिक के वेतन में 5 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन सहायता दे रही है।

न्यूज ब्रीफ

मानव-वन्यजीव संघर्षों से निपटने के लिए अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगा जागरूकता मिशन

नई दिल्ली/ जीएनएस। मानव और वन्यजीवों के बीच तेज होते संघर्ष को देखते हुए इससे निपटने के लिए अब देश भर में एक जागरूकता अभियान चलेगा। जो मिशन मोड में ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में चलेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को इसकी जरूरत बताई और इसके लिए क्षेत्र व प्रजाति विशिष्ट उपाय करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे समाज में वन्यजीवों को लेकर व्याप्त भय को दूर करने में मदद मिलेगी।इसके साथ ही उन्होंने अभयारण्यों के बाहर आने वाले बाघों, तेंदुओं और हाथियों के प्रबंधन के लिए विशेष नीति तैयार करने के भी निर्देश दिए। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने यह निर्देश शुक्रवार को कोयंबटूर के सालिम अली पक्षी विज्ञान व प्राकृतिक इतिहास केंद्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष उत्कृष्ठता केंद्र के उद्घाटन के दौरान दिए।उन्होंने कहा कि अभयारण्य के बिगड़ते हैबिटेट, भूमि उपयोग की बदलती प्रवृत्तियों व बढ़ती मानवीय गतिविधियों ने मानव और वन्यजीवों के बीच के संबंधों को खराब किया है। इसका परिणाम ही संघर्ष के रूप में देखने को मिल रहा है। इस मुहिम में जुटे लोगों से उन्होंने समस्या केंद्रित होने की जगह समाधान केंद्र दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने इस दौरान देश भर के वन विभागों से भी आग्रह किया कि वे ऐसे संघर्षों और मानव बस्तियों व फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाए। स्थानीय समुदायों के साथ ही परामर्श करें व उन्हें बेहतर समाधान मुहैया कराए। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बजाय सह-अस्तित्व व सद्भाव पारिस्थितिक स्थिरता का मूलमंत्र होना चाहिए। केंद्र को शांतिपूर्ण मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने के लिए इसका दस्तावेजीकरण करना चाहिए।

राष्ट्रीय पुरुष आयोग का गठन, सामाजिक व न्यायिक आवश्यकताः एडवोकेट तिवारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। पुणे की सिया द्वारा मंगेतर केतन अग्रवाल की हत्या की घटना के बाद राष्ट्रीय पुरुष आयोग को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। वर्ष 2025 में राज्यसभा सदस्य डा. अशोक कुमार मित्तल ने पीड़ित पुरुषों के लिए राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन संबंधी निजी बिल पेश किया था। हाल ही में उन्होंने ट्विट साझा करते हुए इसकी जरूरत को फिर से इंगित किया। यह पहला मौका नहीं है, जब राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाए जाने की मांग उठ रही है। वर्ष 2023 में एडवोकेट महेश कुमार तिवारी ने पुरुष आयोग के गठन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी। उस पर सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें केंद्र सरकार के सामने अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार इससे संबंधित दस्तावेज सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने के बाद मार्च 2026 में उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में दोबारा याचिका दायर की। जिस हाईकोर्ट ने पुनः उन्हें केंद्र सरकार के सामने इससे जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने दोबारा केंद्र सरकार के सामने सारे दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। वर्तमान में मामला सरकार के पास विचाराधीन है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के डाटा का उल्लेख करते हुए एडवोकेट तिवारी दलील देते हैं कि आत्महत्या करने वाले पुरुषों में लगभग 38 प्रतिशत वैवाहिक व पारिवारिक विवाद से पीड़ित होते हैं। समाज में आ रहे बदलावों की वजह से यह संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। ऐसे में सरकार को राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन के बारे में विचार करना चाहिए। हालांकि उनका सुझाव है कि आयोग गठन करने से पहले, सरकार को पुरुषों की आत्महत्याएं रोकने की दिशा में उचित कदम उठाना चाहिए। मूल रूप से अयोध्या निवासी एडवोकेट तिवारी ने लखनऊ हाईकोर्ट में प्रैक्टिस के साथ करियर की शुरुआत की।

केरल की मेडिकल छात्रा की उज्बेकिस्तान में हत्या, परिवार का आरोप- जबरन धर्म परिवर्तन की हुई कोशिश

नई दिल्ली/ जीएनएस। उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रही केरल की छात्रा सावरिया बसंत की मौत का मामला सामने आया है। मेडिकल छात्रा की हत्या के मामले में परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का दावा है कि छात्रा को यातना दी गई और उसके साथ जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश की गई। इस मामले में केरल पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

पीड़िता के परिजनों ने हरिपाद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बुधवार को अलप्पुझा जिला पुलिस प्रमुख से मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। शव का पोस्टमॉर्टम अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज में कराया गया।

परिवार का आरोप- परिवार ने शुरुआती रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि लड़की सिर्फ लैपटॉप से सिर पर चोट लगने से नहीं मरी। एक परिजन, जो शव लेने उज्बेकिस्तान गए थे, ने बताया कि वहां की जांच एजेंसियों ने उन्हें बताया कि छात्रा को मौत से पहले यातना दी गई थी।

परिवार का कहना है कि आरोपी (मलप्पुरम का छात्र) ने पीड़िता पर धर्म बदलने का दबाव डाला था। कई अन्य छात्रों ने भी यह बात देखी थी। परिवार ने मांग की है कि आरोपी को भारत लाकर यहां मुकदमा चलाया जाए।

कायमकुलम डीवाईएसपी बिनुकुमार टी ने बताया कि भले ही अपराध उज्बेकिस्तान में हुआ हो, लेकिन केरल पुलिस कानूनी प्रावधानों के तहत केस दर्ज कर सकती है। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हर संभव मदद दी जा रही, वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली/ जीएनएस। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास स्पीडबोट हादसे में 15 पर्यटकों की मौत हो गई है। इन हादसे में जान गंवाने वाले सभी 15 पर्यटक भारतीय हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है और कहा, भारत के तरफ से हर संभव मदद दी जा रही है। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने अपना इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम भी एक्टिवेट कर दिया है।

पीएम मोदी ने वियतनाम हादसे पर जताया दुख- पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वियतनाम के फू क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

पीएम मोदी ने आगे लिखा, घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की मैं प्रार्थना करता हूं।

विदेश में छुट्टियां मना रहे राहुल गांधी, वह गैर-गंभीर राजनेता, भाजपा ने छात्र संपर्क कार्यक्रम रद होने पर साधा निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कथित तौर पर विदेश में छुट्टियां मनाने को लेकर निशाना साधा और उन्हें गैर-गंभीर राजनेता बताया, जो सिर्फ राजनीतिक मकसद के लिए छात्रों का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही दावा किया कि गांधी की गैर-मौजूदगी के कारण इस महीने उनके तय छात्र संपर्क कार्यक्रम रद कर दिए गए हैं। इन आरोपों पर कांग्रेस की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भाजपा की यह टिप्पणी गांधी के तीन तय छात्र संपर्क कार्यक्रमों के कथित तौर पर रद होने के बाद आई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने दावा किया कि वे लगभग दो हफ्तों से सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राजनीतिक कामों के बजाय छुट्टियों को चुना है। यह वाकई हैरान करने वाली बात है कि राहुल गांधी ने छात्रों के साथ अपनी तीन तय रैलियां रद कर दी हैं, क्योंकि वे पूरी तरह से छुट्टियां मनाने में डूबे हुए लगते हैं। आमतौर पर, छात्रों को ब्रेक की जरूरत होती है। यहां, हो सकता है कि छात्र उतनी छुट्टियां न मना रहे हों, लेकिन राहुल गांधी लंबी छुट्टी पर चले गए हैं।

वन नेशन-वन इलेक्शन के तहत होंगे 2029 के लोकसभा चुनाव? संसद की संयुक्त समिति ने दिए संकेत

नई दिल्ली/ जीएनएस। संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष ने शुक्रवार को कहा कि एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयकों की समीक्षा कर रही समिति एक ऐसी व्यवस्था तैयार करने पर काम कर रही है, जिससे एक देश, एक चुनाव सुधार को 2029 के आम चुनाव तक पूरी तरह लागू किया जा सके।

गोवा में समिति की दो दिवसीय बैठक से इतर पीपी चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि अब तक जिन सिविल सोसाइटी के हितधारकों से परामर्श किया गया है, उनमें से लगभग 99 प्रतिशत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य बार-बार होने वाले चुनावों के कारण होने वाले अनुमानित सात लाख करोड़ रुपये के आर्थिक नुकसान को रोकना है।

समिति ने गोवा में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा की। इसकी शुरुआत गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बातचीत से हुई, जिसमें एक साथ चुनाव कराने में आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के तौर-तरीकों पर उनकी राय मांगी गई।

समिति के अध्यक्ष चौधरी ने बताया कि समिति ने गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली समेत कई राज्यों का दौरा किया है, जहां उसने संवैधानिक विशेषज्ञों, सिविल सोसाइटी, शिक्षाविदों और अन्य संबंधित लोगों से बातचीत की।

2029 में लागू होने के संकेत- राजस्थान के पाली से भाजपा सांसद ने कहा कि करीब 99 प्रतिशत हितधारक एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में हैं। अब कोशिश ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिसे सभी राजनीतिक दल स्वीकार करें। इसे लागू करने की समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा कि समिति कई विकल्पों पर विचार कर रही है।

भारत-न्यूजीलैंड में रणनीतिक साझेदारी का ऐतिहासिक एलान, समुद्री सुरक्षा के लिए बनेगा विशेष रोडमैप

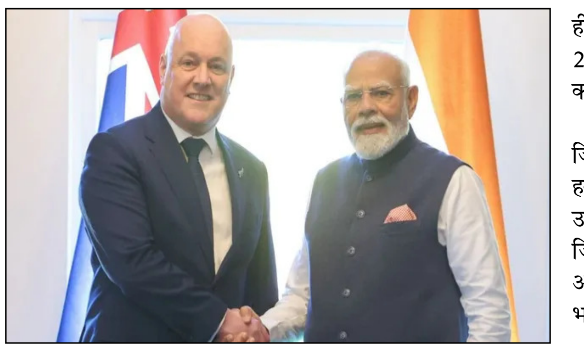

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ समुद्री सुरक्षा पर समझौता व सहयोग का रोडमैप जारी करने के बाद भारत ने न्यूजीलैंड के साथ भी समुद्री सुरक्षा सहयोग की शुरुआत की है।

दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भविष्य के समुद्री सुरक्षा सहयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने का निर्णय लिया है। यह रोडमैप समुद्री क्षेत्र में संवाद, सूचना साझाकरण, संयुक्त अभ्यास और क्षमता निर्माण पर केंद्रित होगा, जिससे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूती मिलेगी।

तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को न्यूजीलैंड की आर्थिक राजधानी ऑकलैंड पहुंचे जहां उनकी पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ कई चरणों में मुलाकात हुई और दो आधारिकारिक वार्ताएं हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों की बैठक के बाद कुल 10 समझौते और आठ घोषणाएं की गईं। साथ ही द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक दोगुना कर 35 हजार करोड़ रुपये का किया जाएगा।

न्यूजीलैंड में पीएम लक्सन ने जिस तरह से पीएम मोदी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया उससे पीएम मोदी भावुक भी हिए जिसका जिक्र उन्होंने आधिकारिक वार्ता में अपने भाषण में किया।

बहरहाल, द्विपक्षीय बैठक के बाद जारी आपसी सहयोग के प्रपत्रों में रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और अन्य क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण समझौते व घोषणाएं हैं। घोषणाओं में सबसे महत्वपूर्ण दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया जाना है। इस दर्जे के तहत एक दूसरे को किस तरह से मदद की जाएगी इसका निर्धारण करने के लिए 'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारीः रोडमैप टू 2030' को मंजूरी दी गई है।

व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 35,000 करोड़ रुपये तक दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौता कर रहे हैं और माना जा रहा है कि यह कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है।

अन्य प्रमुख समझौतों में रक्षा मंत्रालय भारत और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच समुद्री सहयोग पर समझौता करना प्रमुख है। यह इंडो-पैसिफिक में संवाद, समन्वय, सूचना आदान-प्रदान और संयुक्त गतिविधियों के जरिए समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई देगा।

मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर राज्य के गृह मंत्री ने CRPF प्रमुख के साथ की बैठक

मणिपुर/ जीएनएस। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजाम ने राज्य की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

यह बैठक गुरुवार शाम को हुई, जो उखरूल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में असम राइफल्स के दो जवानों के शहीद होने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई।

गृह मंत्री ने बताया कि बैठक में सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक (आपरेशन) वितुल कुमार, विशेष महानिदेशक (पूर्वोत्तर क्षेत्र) राजा श्रीवास्तव, आइजीपी आरएन दास और डीआइजी एसके सिंह भी मौजूद रहे।

कोंथौजाम ने कहा कि बैठक में मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, परिचालन तैयारियों को मजबूत करने तथा राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

सभी मिलकर सुरक्षित, स्थिर और शांतिपूर्ण मणिपुर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, एनआइए की अगुवाई में सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने शुक्रवार सुबह कांगपोकपी जिले से एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

इन पर छह नागा नागरिकों की हत्या में शामिल होने का आरोप है। मणिपुर पुलिस, एनआइए और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने पक्की जानकारी के आधार पर कार्रवाई की।

पुलिस शोध से विश्व पटल तक: डॉ. सीमा अलावा की पुस्तक का विमोचन, रामायण चित्रकला पर मिला वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रीतमलाल सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं शोधकर्ता डॉ. सीमा अलावा की पुस्तक "The Role of Gender in Policing: Challenges, Rights and Workplace" का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आशा पारस एम हार्मनी फाउंडेशन इंडिया एवं एजी पब्लिकेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सीमा अलावा को उनकी 50 मीटर लंबी हस्तनिर्मित रामायण चित्रकला के लिए इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा विश्व रिकॉर्ड सम्मान से भी नवाजा गया।

समारोह के मुख्य अतिथि स्पेशल डीजी, सीआईडी, भोपाल पवन श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राकेश सिंहई, डॉ. जयंतीलाल भंडारी, प्रो. आशा शुक्ला, डॉ. रवींद्र शुक्ला, डॉ. रजित शर्मा, पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी डी.एस. सेगर, पूर्व महाप्रबंधक दूरसंचार एम.ए. रावत, मैंगो आईटी कंपनी के डायरेक्टर विवेक सिंगल, वरिष्ठ पत्रकार रचना जौहरी सहित अनेक शिक्षाविद्, साहित्यकार, पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एडिशनल डीसीपी मुख्यालय इंदौर डॉ. सीमा अलावा ने बताया कि यह पुस्तक उनके पीएचडी शोधकार्य पर आधारित है। पुस्तक में पुलिस संगठन में जेंडर की भूमिका, कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकार, लैंगिक समानता, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, संस्थागत चुनौतियों तथा सुरक्षित एवं संवेदनशील कार्य वातावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों का शोधपरक और व्यावहारिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य इन विषयों पर गंभीर विमर्श को बढ़ावा देना और पुलिस अधिकारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा समाज के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने पुस्तक की सराहना करते हुए इसे पुलिस प्रशासन, महिला अध्ययन, विधि और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन, अध्यापन और शोध के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ बताया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण डॉ. सीमा अलावा को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान रहा। उन्हें लगभग 50 मीटर (164 फीट) लंबी एकल कैनवास पर हस्तनिर्मित रामायण चित्रकला के लिए "The World's Longest Hand-Painted Artwork on a Single Roll of Canvas" श्रेणी में इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय संस्कृति, महर्षि वाल्मीकि रामायण की परंपरा तथा जनजातीय कला के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉ. सीमा अलावा को पुस्तक प्रकाशन और विश्व रिकॉर्ड जैसी दोहरी उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे पुलिस सेवा, अकादमिक जगत, भारतीय कला-संस्कृति और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रेरणादायी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री लिली डाबर ने किया, जबकि अंत में आर.के. शुक्ला ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हीरानगर पुलिस ने शातिर वाहन चोर को दबोचा, चोरी की दो बाइक बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वाहन चोरी सहित संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना हीरानगर ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दो दोपहिया वाहन, जिनकी कुल कीमत करीब 80 हजार रुपये है, बरामद किए हैं। आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस आयुक्त इंदौर के निर्देश पर वाहन चोरी और अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए शहरभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त (जोन-3) अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ओमप्रकाश तथा सहायक पुलिस आयुक्त हीरानगर रुबीना मिजवानी के निर्देशन में थाना प्रभारी हीरानगर निरीक्षक सुशील पटेल के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में लगातार चेकिंग और गश्त की जा रही थी। 10 जुलाई 2026 की रात थाना हीरानगर पुलिस टीम और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य संयुक्त रूप से गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल लेकर जाता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह वाहन छोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम और नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने वाहन चोरी करना स्वीकार किया। उसके कब्जे से चोरी की कुल दो मोटरसाइकिल, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये है, बरामद की गईं। पुलिस ने वाहनों को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विवेचना जारी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलीप भूरिया (24) निवासी भूतिया, जिला धार के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है और उससे और भी चोरी के वाहन बरामद होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा शक्ति में जगाई नई ऊर्जा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित माय यूथ माय प्राइड कार्यक्रम में युवाओं के उत्साह, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से जुड़े विशेष आयोजनों में आज़ाद युवा मोटर बाइक रैली एवं शंकर संकल्प साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वयं युवाओं के बीच पहुंचे और बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री का यह आत्मीय अंदाज युवाओं के लिए यादगार बन गया।

कार्यक्रम में हजारों युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। देशभक्ति, युवा ऊर्जा और सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत वातावरण में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनके संकल्प, साहस तथा सकारात्मक ऊर्जा से विकसित भारत का निर्माण संभव होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज़ाद युवा मोटर बाइक रैली को फ्लैगऑफ कर रवाना किया। यह रैली इंदौर से प्रारंभ होकर जोबट होते हुए महान क्रांतिकारी अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली चन्द्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा), जिला अलीराजपुर तक पहुंचेगी। रैली का उद्देश्य युवाओं में साहस, राष्ट्रप्रेम, बलिदान और क्रांतिकारी चेतना का संचार करना है। मुख्यमंत्री ने रैली में शामिल राइडर्स का सम्मान करते हुए उनके राष्ट्रसेवा और सामाजिक जागरूकता के संकल्प की सराहना की।

इसी अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंकर संकल्प साइकिल यात्रा को फ्लैग ऑफ कर युवाओं में उत्साह बढ़ाया। यह यात्रा इंदौर से प्रारंभ होकर ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम तक पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य युवाओं को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ना है। यह साइकिल यात्रा ज्ञान, एकात्मता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश लेकर आगे बढ़ेगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सहज और आत्मीय व्यक्तित्व युवाओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने बुलेट मोटरसाइकिल पर युवाओं के साथ सवारी कर उनका उत्साह कई गुना बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री ने राइडर्स से संवाद किया और उनके अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित फूड कोर्ट में मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ मालवा के प्रसिद्ध और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया।

बारिश में पर्यटकों को लुभाने लगा सैलाना के केदारेश्वर महादेव मंदिर का झरना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम और उसके आसपास का क्षेत्र केवल अपने ऐतिहासिक महत्व, राज परिवार द्वारा संजोई गई तस्वीर, संस्कृति और खानपान के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि यह स्थान प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी विख्यात है। वर्षाकाल में यहां का सौंदर्य और भी निखर उठता है।

नदियां जहां कल-कल बहती हुई सुरों की ताल छेड़ती हैं, वहीं ऊंचाई से गिरने वाले झरने हर किसी को अपनी ओर खींच लेते हैं। प्रकृति का अनुपम नजारा ऐसा कि उसे निहारने वालों का मेला यहां लग जाता है। प्राकृतिक नजारों के बीच यहां आस्था का दीप भी जलता है और आधुनिक सुविधाओं का संगम भी नजर आता है। भीषण तपन के बाद बरसात में छाई शीतलता, हरियाली और खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर ही लेती है। रतलाम और उसके आसपास ऐसे कई स्थल हैं जिनकी खूबसूरती इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। ऐसा ही एक स्थान है 'सैलाना'। वही सैलाना जो खरमोर के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां दूर-दूर से लोग दर्शन-वंदन के साथ प्रकृति को निहारने और पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। सैलाना क्षेत्र के दोनों केदारेश्वर महादेव मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। पहाड़ियों के बीच स्थित इन प्राचीन शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। धार्मिक महत्व के साथ यहां का प्राकृतिक वातावरण भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। रतलाम जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर और सैलाना नगर से लगभग चार किलोमीटर दूर अडवानिया रोड व सरवन रोड स्थित दोनों केदारेश्वर महादेव मंदिर हरियाली से आच्छादित खूबसूरत पहाड़ियों पर बने हुए हैं।

इंदौर में माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026 के तहत शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यशाला संपन्न

नई शिक्षा नीति युवाओ के सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित- आयुक्त श्री प्रबल सिपाहा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026 के अंतर्गत युवाओं के वैचारिक नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शिक्षा एवं कौशल विकास विषयक कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह कार्यशाला मुख्यतः उच्च शिक्षा, रोजगारोन्मुखी कौशल एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका पर आधारित रही।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री प्रबल सिपाहा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से पूर्व पारंपरिक रूप से केवल डिग्री को महत्व दिया जाता था। लेकिन अब नई नीति के तहत डिग्री के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल और सर्वांगीण विकास को प्रमुखता दी गई है। इससे युवा न केवल शिक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भर और रोजगारपरक भी बनेंगे। उन्होंने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इनके माध्यम से प्रदेश के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि उनके सुझावों को समेकित कर ÷युवा संकल्प÷ में सम्मिलित किया जाएगा।

कार्यशाला में कौशल विकास संचालनालय के संचालक श्री बसंत कुर्रे ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम है। कौशलयुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। युवा केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि रोजगार सृजित करने की क्षमता भी विकसित करें और ÷स्किल्ड इंडिया, कौशलयुक्त भारत÷ के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यशाला में उपस्थित विषय विशेषज्ञ पैनल के अंतर्गत होलकर विज्ञान महाविद्यालय से संबद्ध एवं उच्च शिक्षा विभाग की ष्ट्र ष्टद्दद्यद्य की मुख्य सदस्य डॉ? स्वागता गुप्ता ने उच्च शिक्षा की प्रणाली और उन्नत भारत विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा वर्तमान समय में शिक्षा की सार्थकता सिर्फ इनपुट या आउटपुट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है जब वह इम्पैक्टफुल यानि प्रभावशाली हो और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सके। उन्होंने रेखांकित किया कि शासन द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसी दूरगामी सोच पर आधारित है। सत्र के दौरान डॉ. गुप्ता ने उच्च शिक्षा विभाग की मूलभूत समस्याओं और वर्तमान चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की, साथ ही उपस्थित युवाओं और विद्यार्थियों द्वारा दिए गए विभिन्न सुझावों का स्वागत करते हुए उनके मन में उठने वाली विभिन्न शंकाओं और जिज्ञासाओं का बेहद सरल ढंग से निवारण किया।

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ पैनल में संचालक कौशल विकास, भोपाल एवं आईटीओटी भोपाल प्राचार्य श्री अंचल शुक्ला,उप संचालक कौशल विकास इंदौर सुश्री प्रियंका बामने,एम.एल.बी. कॉलेज से संबद्ध सुश्री रागिनी ठाकुर,शासकीय संभागीय आईटीआई इंदौर प्राचार्य सुश्री रीना सोलंकी, होलकर विज्ञान महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. संध्या दीक्षित, डॉ.राकेश दागी उपस्थित रहे। इस अवसर में बड़ी संख्या में विभिन्न कॉलेजों के युवाओ ने सहभागिता की।

'माय यूथ-माय प्राइड' कॉनक्लेव में युवाओं ने सशक्त और समृद्ध मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लिया

कला, संस्कृति, पर्यटन और सामुदायिक नेतृत्व के क्षेत्र में विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन, युवाओं ने दिए उपयोगी सुझाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माय यूथ-माय प्राइड कॉनक्लेव में आए युवाओं ने शनिवार को सशक्त और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लिया। इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस युवा सम्मेलन में जनअभियान, संस्कृति, कला, पर्यटन, युवा संकल्प निर्माण और सामुदायिक नेतृत्व के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों ने युवाओं को उपयोगी मार्गदर्शन दिया। चर्चा के दौरान पर्यटन, संस्कृति, कला, जन अभियान तथा संकल्प निर्माण के क्षेत्र में अपने भविष्य निर्माण के लिए प्रयासरत युवाओं ने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संचालक डॉ. वीरेंद्र कुमार व्यास, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े फ्लॉविंग्स ग्रुप के श्री शांतनु त्रिवेदी, शासकीय संगीत महाविद्यालय इंदौर के प्राचार्य डॉक्टर प्रकाश कडोतिया, जन अभियान परिषद इंदौर संभाग के समन्वयक श्री अमित शाह तथा उज्जैन संभाग के समन्वयक श्री शिव प्रसाद मालवीय ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संचालक डॉ. वीरेंद्र कुमार व्यास ने कहा कि सफल व्यक्ति कोई अलग काम नहीं करता, बल्कि वह अलग तरह से अपना काम करता है। इसलिए वह सफल होता है। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद युवाओं को संगठित कर समाज के लिए कार्य करना सिखाता है।

इस अवसर पर ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ यूनिट के अध्यक्ष श्री हेमेंद्र सिंह जादोन ने पर्यटन के क्षेत्र में युवाओं का भविष्य विषय पर उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के बाद पर्यटन वह क्षेत्र है, जिसमें कि सबसे अधिक युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पर्यटन के क्षेत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा एमबीए टूरिज्म का कोर्स उपलब्ध है।

एमएलबी कॉलेज इंदौर के प्रोफेसर डॉ. सुधीर ने ललित कला के क्षेत्र में युवाओं का भविष्य विषय पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ललित कला के क्षेत्र में रोजगार की शत प्रतिशत गारंटी है। युवा अपनी रुचि अनुसार चित्रकला, मूर्ति कला, संगीत, नृत्य कला में केरियर चुनकर अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के इंदौर के संभागीय समन्वयक श्री अमित शाह ने कहा कि जन अभियान परिषद समाज और सरकार के बीच सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों के साथ युवा समाज सेवा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जन अभियान परिषद युवाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक कुरीतियों को तोड़ने का कार्य भी कर रही है।

उज्जैन संभाग के समन्वयक श्री शिव प्रसाद मालवीय ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे पहले संकल्प निर्माण करें, कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर है। उसके बाद प्रयास करें तो सफलता निश्चित ही मिलेगी। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सिंड्रेला हेरी ने किया।

सांदीपनि विद्यालय का मॉडल नये स्वरूप में उभरा, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी दिये जा रहे हैं : मुख्यमंत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और अनुसंधान हो रहे हैं। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है। जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थी लाभांवित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा में सांदीपनि विद्यालय का मॉडल नये स्वरूप में उभरा है, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिये जा रहे हैं। इस बार प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा में शत-प्रतिशत बच्चों ने स्कूल में प्रवेश लिया और स्कूली शिक्षा में ड्रॉप आउट शून्य रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हिन्द रक्षक द्वारा बास्केटबाल कॉम्पलेक्स इंदौर में आयोजित पुण्योदय प्रकल्प कार्यक्रम में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योगेश्वर श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के विभिन्न प्रसंगों को रेखांकित करते कहा कि युगों बाद भी आज हम कृष्ण-सुदामा की मित्रता की मिसाल देते हैं। श्रीकृष्ण द्वारकाधीश थे, जबकि सुदामा निर्धन और गरीब थे। इसके बावजूद दोनों की मित्रता बेमिसाल थी।

सीएम डॉ. यादव ने डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के योगदान को सराहा, डिजिटल कंटेंट अवॉर्ड की घोषणा की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश युवा कॉन्क्लेव-2026 में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के साथ परस्पर संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने युवाओं के उत्थान और जन जागरूकता के लिए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के योगदान को सराहा। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के डिजिटल इंफ्ल्यूएंसर्स को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डिजिटल कंटेंट अवॉर्ड प्रदान किए जाने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक सोच, नवाचार और सामाजिक सरोकारों के साथ काम करने वाले युवा आज समाज में परिवर्तन के सशक्त वाहक बन रहे हैं और उनके योगदान को सम्मानित किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में इंदौर, उज्जैन, धार सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के अनेक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स और इंफ्ल्यूएंसर्स ने भाग लिया।

विचारों को रचनात्मक दिशा दे रहा आज का युवा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए समाज निर्माण, सकारात्मक परिवर्तन और जनजागरूकता में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म समाज को दिशा देने का एक प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का युवा केवल कंटेंट नहीं बना रहा, बल्कि विचारों को दिशा दे रहा है, समाज को जोड़ रहा है और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को स्वर दे रहा है।

आइडिया से उद्यम तक: युवाओं के नवाचारों को पंख देने के लिए संकल्पबद्ध मध्य प्रदेश, स्टार्टअप इकोसिस्टम में आएगा बड़ा बदलाव

एमएसएमई और आईटी/स्टार्टअप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किया युवाओं का मार्गदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 के अंतर्गत एमएसएमई और आईटी/स्टार्टअप कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस सत्र में विशेषज्ञों ने एकमत से कहा कि मध्य प्रदेश का तीव्र विकास और तेजी से विकसित हो रहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर युवाओं को नौकरी खोजने वाले के बजाय नौकरी देने वाले के रूप में स्थापित करने के लिए पूर्णतः तैयार है। यह कार्यशाला न केवल युवाओं के नवाचारी विचारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रेरित करने वाली रही, बल्कि स्टार्टअप की राह में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समाप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हुई।

सत्र के दौरान विभाग द्वारा वर्ष 2027 और 2030 तक के महत्वाकांक्षी संकल्पों का खाका प्रस्तुत किया गया, जो प्रदेश में उद्यमिता की एक नई लहर का सूत्रपात करेंगे। शासन की योजना के अनुसार, वर्ष 2030 तक युवा उद्यमियों के लिए एकल खिड़की ऋण प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे 30 दिनों के भीतर ऋण स्वीकृति सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक शासकीय विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन केंद्र की स्थापना और कुल 200 इन्क्यूबेशन केंद्रों का विकास कर स्टार्टअप्स को तकनीकी व संस्थागत संबल प्रदान किया जाएगा। नवाचार आधारित उद्योगों के लिए सीड फंड तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ, राज्य भर में 50 से अधिक उद्यम सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहाँ पंजीकरण से लेकर निर्यात तक की हर सुविधा वन-स्टॉप समाधान के रूप में मिलेगी।

शासन की समावेशी विकास नीति के तहत वर्ष 2027 तक महिला उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देने और ओएनडीसी के माध्यम से उन्हें डिजिटल बाजार से जोड़ने का संकल्प भी लिया गया है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2030 तक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) और डेटा सेंटर कंपनियों के सहयोग से इंटर्नशिप व रोजगार के नए अवसर सृजित करने, तथा सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में स्टार्टअप्स की भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

सत्र में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों ने युवाओं का मार्गदर्शन किया, जिनमें एमएसएमई विभाग के संयुक्त निदेशक श्री विनय तिवारी और श्री समरथ सिंह मंडलोई की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेषज्ञों के पैनल में संस्थापक परक्रांत टेक श्री लोकंत जैन, संस्थापक वर्की श्री सावन लड्ढा, सहायक निदेशक एमएसएमई डीएफओ श्री नीलेश त्रिवेदी, उपाध्यक्ष वैली एनएक्सटी वेंचर्स श्री हर्षवर्धन सकलेचा, संस्थापक एवं सीईओ मीलो हनी श्री दीपक बघेल, निदेशक माहेश्वरी क्रिएशन्स सुश्री सीमा मिश्रा, निदेशक अविन्या माइलटेक श्री अंबर अरोनदेकर और सत्र के मॉडरेटर तथा सीगल वेंचर्स के संस्थापक श्री सौरभ मिश्रा शामिल रहे। विशेषज्ञों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शासन की स्टार्टअप-अनुकूल नीतियों और सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

शिक्षा एवं कौशल विकास'कार्यशाला में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर की रही सहभागिता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश युवा संकल्प 2026 अभियान के अंतर्गत शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर ने प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, आई.क्यू.ए.सी प्रभारी डॉ. मनीषा जोशी के मार्गदर्शन में ब्रिलियंट कनवेंशन में आयोजित फोकस ग्रुप वर्कशॉप में युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न विषयों पर आधारित कार्यशालाओं में सहभागिता ली । कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के सुझावों के आधार पर प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना रहा।

वर्कशॉप में पाँच प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। प्रथम कार्यशाला शिक्षा एवं करियर विकास पर केंद्रित रही, जिसमें उच्च शिक्षा, रोजगारोन्मुखी कौशल, नई शिक्षा नीति (NEP) के क्रियान्वयन तथा युवा भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया।

द्वितीय कार्यशाला खेल एवं स्वास्थ्य विषय पर आयोजित हुई, जिसमें फिट इंडिया, खेल अवसंरचना तथा युवाओं के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर सुझाव दिए गए।

तृतीय कार्यशाला MSME, आईटी एवं स्टार्टअप्स पर आधारित रही, जिसमें युवा उद्यमिता, स्टार्टअप इकोसिस्टम और डिजिटल अवसंरचना को सशक्त बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। चतुर्थ कार्यशाला कृषि, उद्योग एवं पर्यावरण में प्राकृतिक खेती, कृषि-टेक, जल संरक्षण तथा हरित रोजगार जैसे विषयों पर विचार साझा किए गए। वहीं पाँचवीं कार्यशाला जन अभियान, संस्कृति एवं जन-पर्यटन पर केंद्रित रही, जिसमें सामुदायिक नेतृत्व, सांस्कृतिक गौरव और पर्यटन में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के सुझाव प्रस्तुत किए गए।

महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंदजी महाराज को मंदसौर आने का न्यौता दिया

वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल ने भेंटकर पूज्य संतों का आशीर्वाद लिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंद जी महाराज निरंजनी अखाड़ा पीठाधीश्वर दक्षिण काली पीठ हरिद्वार का नीमच आगमन पर वैश्य महासम्मेलन मंदसौर जिला इकाई की टीम ने पूज्य आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भगवान पशुपतिनाथजी की नगरी मंदसौर आने का न्यौता दिया। आचार्य श्री महामंडलेश्वर ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथजी की धर्मधरा है ऐसी धर्म धरा पर संतों का आगमन होना चाहिए। संतगण राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे हुए हैं और शीघ्र ही भगवान पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर का कार्यक्रम बनाएंगे तथा भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन पूजन अर्चन करेंगे और भक्तों से आध्यात्मिक संवाद भी करेंगे। वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष संतोष चोपड़ा के नीमच स्थित निवास पर शनिवार को महामंडलेश्वर से वैश्य महासम्मेलन मंदसौर जिला इकाई के जिला प्रभारी नरेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष जगदीशचंद्र चौधरी, युवा इकाई संभागीय प्रभारी कपिल भंडारी, वैश्य समाज के जिला उपाध्यक्ष रमेश काबरा एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र चाष्टा ने भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वैश्य महासम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत श्री रवींद्रपुरी जी महाराज, 1008 कालिदास श्री कृष्णानंद जी महाराज हरिद्वार, महामंडलेश्वर स्वामी श्री मधुसूदनानंद गिरि महाराज अन्नपूर्णा आश्रम सेमलिया धाम एवं जयपुर के विधायक श्री बालमुकुंनानंद जी महाराज श्री हरकियां खाल बालाजी धाम के गुरुदेव पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा से भेंटकर उन्हें भी मंदसौर आने का न्यौता दिया।

नई आबादी थाना पुलिस ने 65 किलो डोडाचूरा पकड़ा, 5 आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीपसिंह राठौड़ एवं उनकी टीम ने मादक पदार्थ तस्करी में कार्रवाई करते हुए विमल पान मसाला के चार बेग से 65 किलो डोडा चूरा सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मादक पदार्थ उपलब्ध करवाने वाला एक आरोपी भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 10 जुलाई की रात्रि में नई आबादी थाना टीम द्वारा मुखबीर सूचना पर दबिश दी गई। इस तरह संदेही हरप्रीतसिंह पिता जनरेलसिंह 22 वर्ष निवासी नथाणा जिला भटिण्डा पंजाब एवं जगदीश सिंह पिता टल्ला सिंह मजबी सीख 47 वर्ष निवासी चोटिया जिला भटिण्डा, साधुसिंह पिता जग्गासिंह मजबी सीख 55 वर्ष निवासी मसिता जिला सिरसा हरियाणा तथा कुलविंदर सिंह पिता चढ़तसिंह मजबी सीख 34 वर्ष निवासी दिनगढ़ जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को घेराबंदी कर पकड़ा गया। इनके कब्जे से विमल पान मसाला के चार बेग से कुल 65 किलो डोडाचूरा एवं एक मोबाईल जब्त किया गया। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15,29 में प्रकरण दर्ज करते हुए विवेचना शुरू की गई है। पूछताछ में मालूम हुआ है कि आरोपीगणों को यह अवैध डोडाचूरा प्रदाय करने वाला आरोपी केसर सिंह पिता सज्जनसिंह सौंधिया निवासी ग्राम मूंदड़ी है, जिसे भी गिरफ्तार किया गया है।

आस्था का महासैलाबः कैलाशानंद गिरी महाराज के दर्शन को उमड़े हजारों श्रद्धालु, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा टाउन हॉल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज की विराट धर्मसभा ने शनिवार को नीमच में आस्था का अभूतपूर्व माहौल बना दिया। अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (टाउन हॉल) में आयोजित धर्मसभा में शामिल होने के लिए सुबह से ही हजारों श्रद्धालु पहुंचने लगे। देखते ही देखते टाउन हॉल परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया, जबकि सभागार के बाहर प्रवेश के लिए लंबी कतारें लग गईं। चारों ओर हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

गुरुजी के दर्शन और आध्यात्मिक प्रवचन सुनने को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे लंबे समय से आचार्य के नीमच आगमन और उनके दर्शन का इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार को निकली भव्य अभिनंदन यात्रा के बाद शनिवार की धर्मसभा को लेकर लोगों में उत्सुकता और अधिक बढ़ गई थी। श्रद्धालुओं का कहना था कि नीमच की पावन धरती पर इतने बड़े संत का आगमन पूरे क्षेत्र के लिए सौभाग्य का विषय है।

धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचे और संतवाणी का लाभ लेने के लिए पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। आयोजन की खास बात यह रही कि इसमें विभिन्न समाजों के लोगों ने भी सहभागिता की। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने भी आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज का स्वागत करते हुए धर्मसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया।

धर्मसभा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज राष्ट्र उत्थान, सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और विश्व शांति जैसे विषयों पर अपने प्रेरक विचार रखेंगे। आयोजन को लेकर पूरे शहर में दिनभर श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा तथा टाउन हॉल परिसर में देर तक श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रही।

रूनिजा चौकी द्वारा देशी पिस्टल व 10 लीटर जहरीली शराब पकड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाने की रूनिजा चौकी पुलिस ने देशी पिस्टल व जिंदा कारतूस समेत 10 लीटर जहरीली शराब पकड़ने में कार्रवाई की है। मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। घटना के अनुसार 11 जुलाई को सुवासरा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र बघेल के नेतृत्व में रूनिजा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक भारत कटारा एवं चौकी पुलिस से प्रआ कमलेश देतरिया, आरक्षक बनवारी ने मुखबीर सूचना पर घसोई - तरनोद रोड पर नाकाबंदी की। इस दौरान तरनोद की ओर से एक बिना नंबर की बाईक आती दिखी। घेराबंदी कर बाईक रोकी व धरपकड़ में बाईक पर सवार आरोपी शंकरलाल पिता अमरलाल बागरी 27 वर्ष एवं शंकरलाल पिता चन्दरलाल मेघवाल 35 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सरवर थाना उन्हेल जिला झालावाड़ राजस्थान को हिरासत में लिया गया। इनके पास से 10 लीटर कच्ची जहरीली शराब मिली तथा तलाशी में एक देशी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस भी मिला। पुलिस ने आबकारी व आर्म्स एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है तथा जहरीली शराब व देशी पिस्टल के स्रोत के संबंध में अनुसंधान शुरू किया है।

मल्हारगढ पुलिस ने 2 मोटर सायकल चोरो को किया गिरफ्तार, 5 मोटर सायकल बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल रघुवंशी एवं टीम ने 2 मोटर सायकल चोरो को किया गिरफ्तार किया है। इनसे 5 मोटर सायकल बरामद की गई है। दिनांक 08 जुलाई को फरियादी रामचंद्र पिता रामलाल गुप्ता निवासी स्टेशन रोड मल्हारगढ ने थाने पर उपस्थित होकर उनके घर के बाहर से उनकी हिरो होण्डा पैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक चोरी संबंधी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट पर थाना मल्हारगढ पर अपराध पंजीबद्ध किया जाकर घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया गया व घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये। सीसीटीवी फुटेज मे आधार पर एक व्यक्ति उक्त मोटर सायकल को ले जाते दिखा। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर व्यक्ति की पतारसी हेतु मूखबिर मामूर किये गये। प्रकरण की विवेचना करते उक्त व्यक्ति की पहचान केसरीमल पिता लाभचंद पंवार जाति बावरी उम्र 26 साल निवासी ढिकनिया थाना पिपलिया मण्डी के रुप मे हुई जिसे गिरफ्तार किया गया तथा उक्त मोटर सायकल खरीदने वाले नितेश पिता गोपल सोलंकी बावरी उम्र 35 साल निवासी ढिकनिया थाना पिपलिया मण्डी को भी गिरफ्तार किया गया । उक्त दोनो आरोपियो से पूछताछ करते अन्य वाहन भी चोरी करना स्वीकार किया । उक्त दोनो आरोपियो की निशादेही पर चोरी की कुल 05 मोटर सायकल जप्त की गई है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

जहां वेदों की वाणी गूंजी, जहां संतों का आशीर्वाद बरसा... वहां नीमच ने देखा सनातन का विराट स्वरूप, नीमच बना आस्था का महाकुंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निरंजनी अखाड़ा पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज के शुक्रवार को नीमच आगमन पर पूरा शहर श्रद्धा और उत्साह से उमड़ पड़ा। शहर में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। शनिवार को टाउन हॉल में आयोजित उनके दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन में सैकड़ो श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे तथा प्रवेश द्वारों पर स्वयंसेवकों की तैनाती रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ हुआ। अपने प्रवचन में स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामचरितमानस और महाभारत के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि सनातन धर्म सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि सत्य, सेवा, संयम और संस्कार ही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान हैं और इन्हीं मूल्यों से परिवार, समाज एवं राष्ट्र सशक्त बनते हैं।

उन्होंने कहा कि जब समाज शास्त्रों से दूर होता है तो भ्रम और विघटन बढ़ता है, जबकि संतों और शास्त्रों के मार्गदर्शन से संस्कृति मजबूत होती है। युवाओं से उन्होंने भारतीय संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जुड़ने का आह्वान किया।

देशभर के संत-महात्माओं का मिला सानिध्य- प्रवचन कार्यक्रम में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविन्द्रपुरीजी महाराज, महायोगी परमहंस बाबा श्री 1008 कालिदास कृष्णगिरिजी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी मधुसूदनानंद गिरि जी महाराज, हाथोजधाम पीठाधीश्वर बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज, महामंडलेश्वर श्री रेशमदास सरस्वती जी महाराज, स्वामी सुखदेवानन्द जी महाराज, पं. डॉ. मिथिलेश जी नागर, स्वामी सत्यनंद सरस्वती जी महाराज, जय माला देवी वैष्णव आर्यावर्त, महंत हरिओम गिरि महाराज, महंत लालनाथ जी योगी तथा पं. लक्ष्मीनारायण शर्मा सहित देशभर से पधारे अनेक संत-महात्माओं का पावन सानिध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद- कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेघालय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रिकमन मोमिन, नीमच-मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

व्यवस्थाओं की हुई सराहना- इस भव्य आयोजन की व्यवस्थाएं समाजसेवी संतोष चौपड़ा एवं रेणुबाला चौपड़ा के नेतृत्व में चौपड़ा परिवार द्वारा संभाली गईं। नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा सहित पूरे परिवार ने संतों के स्वागत, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की बैठक व्यवस्था एवं भोजन प्रसादी सहित सभी व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

नीमच भाजपा महिला मोर्चा को मिला नया नेतृत्व, मनीषा धाकड़ बनीं जिलाध्यक्ष

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के 22 जिलों में महिला मोर्चा के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। इसी क्रम में नीमच जिले की जिम्मेदारी मनीषा धाकड़ को सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से की गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मनीषा धाकड़ को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा जिले में संगठन को और अधिक मजबूत करेगा तथा महिलाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेगा।

जिले में अब तक औसत 258.2 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक औसत 258.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसत 315.1 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख, नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से 11 जुलाई 2026 की प्रातः 8 बजे तक जिले की चारों तहसीलों में वर्षा का विवरण इस प्रकार है- नीमच में 333.0 मि.मी., जावद में 239.0 मि.मी., सिंगोली में 240.9 मि.मी. तथा मनासा में 220.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में नीमच में 293.6 मि.मी., जावद में 330.0 मि.मी., सिंगोली में 437.0 मि.मी. तथा मनासा में 200.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। इसी प्रकार, 11 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे तक बीते 24 घंटों में जिले में औसतन वर्षा रिकॉर्ड नहीं की गई। इस दौरान नीमच, जावद, मनासा एवं सिंगोली में वर्षा दर्ज नहीं की गई।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले में जनजागरूकता अभियान शुरू

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान का शुभारंभ आज जिला चिकित्सालय से सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने जनजागरूकता रथ और रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। जिले में 11 से 18 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में जागरूकता रैली, प्रचार-प्रसार गतिविधियां, विशेष परिवार नियोजन शिविर और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बनी नीमच की अंतिमबाला के परिवार की आर्थिक संबल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके परिवार की खुशहाली का भी आधार बन रही है। योजना के तहत प्राप्त होने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ बच्चों की शिक्षा और परिवार के दैनिक खर्चों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इसी क्रम में नीमच नगर के वार्ड क्रमांक-1 की निवासी श्रीमती अंतिमबाला कुमावत भी योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1,250 रुपये की राशि प्राप्त हो रही है। अंतिमबाला बताती हैं कि योजना से मिलने वाली इस राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की ट्यूशन फीस, पढ़ाई-लिखाई एवं अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं पर करती हैं। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ कम हुआ है और बच्चों की शिक्षा नियमित रूप से जारी रखने में सहायता मिली है।

अंतिमबाला का कहना है कि पहले बच्चों की पढ़ाई का खर्च जुटाना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता था, लेकिन अब हर महीने मिलने वाली सहायता राशि से उन्हें काफी राहत मिली है। इससे वे बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निश्चिंत होकर उनकी शिक्षा पर ध्यान दे पा रही हैं।

वे कहती हैं कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना ने उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के सपनों को साकार करने में सहयोग दिया है। योजना से लाभान्वित अंतिमबाला कुमावत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं और उनके परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

सरवानिया महाराज चौकी पर पुलिस-राजस्व विभाग का संयुक्त शिविर, 10 भूमि विवादों का मौके पर निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में भूमि और रास्तों से जुड़े विवादों के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक नीमच के निर्देशानुसार शनिवार 11 जुलाई 2026 को पुलिस चौकी सरवानिया महाराज (थाना जावद) में पुलिस एवं राजस्व विभाग का संयुक्त शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में भूमि, जमीन एवं रास्तों से संबंधित लगभग 20 शिकायतों की सुनवाई की गई। अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों की बात सुनकर आपसी समन्वय, समझाइश एवं राजस्व अभिलेखों के आधार पर करीब 10 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों में आवश्यक कार्रवाई जारी है।

संयुक्त शिविर में तहसीलदार जावद नवीन गर्ग, निरीक्षक विनोद राठौर राजावत (मोरवन), पटवारी पुष्कर नायक, अरुण आर्य, विष्णु पाटीदार, उप निरीक्षक आर.एस. चौहान (थाना जावद), चौकी प्रभारी गोपाल तनान (सरवानिया महाराज), एएसआई किशनलाल परिहार सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग का अमला उपस्थित रहा।

अधिकारियों ने बताया कि भूमि एवं रास्तों से जुड़े विवादों के शांतिपूर्ण और त्वरित निराकरण के लिए ऐसे संयुक्त शिविर आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरीकरण माह का शुभारंभ, जागरूकता रैली निकाली गई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण माह के शुभारंभ पर जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ.आर.के. खद्योत, सिविल सर्जन-सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाटील तथा डॉ.संगीता भारती ने जिला चिकित्सालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. आर.के. खद्योत ने बताया कि जिले में 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक जनसंख्या स्थिरीकरण सेवा प्रदायगी सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में नसबंदी शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा परिवार नियोजन सेवाएं सुलभ कराई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए विभिन्न परिवार नियोजन साधन %बास्केट ऑफ चॉइस% के अंतर्गत उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें निरोध, माला-डी, माला-एन, छाया गर्भनिरोधक गोली, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोलियां तथा अंतरा इंजेक्शन शामिल हैं। हितग्राही अपनी आवश्यकता एवं इच्छा के अनुसार इनमें से किसी भी अस्थायी साधन का चयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त महिला एवं पुरुष नसबंदी की स्थायी सेवाएं भी जिले में निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं। पात्र हितग्राही शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सेवाओं का लाभ लेकर परिवार कल्याण कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कलेक्टर की कार्यवाही दो अपराधियों को किया जिले से निष्कासित

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुये दो आदतन अपराधियों को जिले से निष्कासित कर दिया है। जबकि, दो अपराधियों को संबंधित पुलिस थाने में हर माह हाजिरी दर्ज कराने के आदेश दिये हैं। जिला दंडाधिकारी ने यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन पर इन अपराधियों की समाज विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से की है। जिले से निष्कासित किये गये अपराधियों में सिहोरा के वार्ड नंबर दस गौरैय्या मोहल्ला निवासी दीपक ठाकुर उर्फ दिपू उर्फ पोछा उम्र 27 वर्ष को तीन माह की अवधि के लिये तथा कालीमठ मंदिर के पास आमनपुर निवासी नरेन्द्र उर्फ पप्पू विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष को पांच माह के लिये जिले से निष्कासित किया गया है।

सम्पादकीय

फ्लॉप से सुपरहिट बनी इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा', कैसे दर्शकों ने पलट दी बॉक्स ऑफिस की बाजी

इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को फिल्म व्यापार जगत ने रिलीज के पहले ही दिन लगभग असफल घोषित कर दिया था। 12 जून को रिलीज के दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर केवल लगभग 1 करोड़ रुपये की कमाई की। लेकिन तीन सप्ताह बाद, 6 जुलाई तक इसकी कमाई 89 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। यदि इसमें से कर और वितरकों का हिस्सा निकाल दिया जाए साथ ही नेटफ्लिक्स, टेलीविजन और संगीत अधिकारों के पहले से हुए सौदों की आमदनी जोड़ दी जाए तब लगभग 70 करोड़ रुपये के बजट पर यह फिल्म अच्छा-खासा मुनाफा कमाने वाली साबित होती है।

अब फिल्म कारोबार जगत ने इसे 'हिट' घोषित कर दिया है। 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता फिल्म मार्केटिंग के लिए एक महत्वपूर्ण और लंबे समय से प्रतीक्षित सबक है। एक ट्रेलर बनाइए, एक टीजर जारी कीजिए, उसे इंटरनेट पर डालिए, मुंबई में बड़े-बड़े होर्डिंग लगाइए और कलाकारों के कुछ साक्षात्कार करवा दीजिए। वर्षों से लगभग हर स्टूडियो और प्रोडक्शन हाउस इसी तयशुदा तरीके का आंख बंद करके पालन करता आया है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि फिल्म किस विषय पर है, किस दर्शक वर्ग के लिए बनाई गई है, उसकी शैली क्या है या उसमें कौन-कौन से कलाकार हैं।

'मैं वापस आऊंगा' के साथ भी यही किया गया था। लेकिन जब पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आए तब रिलायंस एंटरटेनमेंट के समूह मुख्य कार्याधिकारी और इम्तियाज अली की प्रोडक्शन कंपनी 'विंडो सीट फिल्म्स' के साझेदार शिवाशिष सरकार ने कहा, 'हमें समझ आ गया था कि कहीं न कहीं बड़ी गलती हो गई है।'

'मैं वापस आऊंगा' हमारे भीतर बसे उस 'घर' की भावना को पकड़ने की कोशिश करती है, जो हमारी यादों में कैद है और किसी व्यक्ति, किसी स्थान, किसी समय या इन सभी से जुड़ी हुई है।

सरगोधा (पंजाब) में 17 वर्ष के कीनू और जिया का प्रेम अभी शुरू ही हो रहा होता है कि देश का विभाजन हो जाता है। पंजाब और बंगाल दो हिस्सों में बंट जाते हैं। सिख होने के कारण कीनू को अपना घर छोड़कर नए बने भारत में शरण लेनी पड़ती है। 95 वर्ष की आयु में, जब डिमेंशिया उसकी लगभग सारी यादें मिटा देता है तब भी वह जिया से किया हुआ अपना एक वादा नहीं भूलता। 95 वर्षीय कीनू ग्रेवाल की भूमिका में नसीरुद्दीन शाह और 17 वर्षीय कीनू के रूप में वेदांग रैना ने शानदार अभिनय किया है।

यह फिल्म लंबे समय तक आपके दिल और दिमाग में बनी रहती है, विशेषकर यदि मेरी तरह आपका बचपन भी विभाजन से प्रभावित परिवार में बीता हो। विभाजन के पीड़ितों और अन्य लोगों के लिए विशेषतौर पर लगभग 10 फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्शक हंसे, खुलकर रोए और फिल्म को बेहद पसंद किया। फिर भी इस फिल्म की मार्केटिंग अपने सबसे बुनियादी उद्देश्य में असफल रही यानी वह लोगों तक यह बात ही नहीं पहुंचा सकी कि फिल्म वास्तव में किस बारे में है।

सामान्य परिस्थितियों में फिल्म की पूरी टीम निराश होकर बैठ जाती। एक फिल्म, चाहे वह अच्छी हो या बुरी, उसे बनाना बहुत कठिन काम है। इसमें सैकड़ों लोगों की मेहनत लगती है और विचार से लेकर रिलीज तक कम से कम दो वर्ष का समय लगता है। जब दर्शक किसी फिल्म को नकार देते हैं तब उसका असर निर्माताओं पर इतना गहरा होता है कि वे अवसाद तक में चले जाते हैं। इसके साथ ही यह खतरा भी बना रहता है कि यदि पहले सप्ताह के बाद दर्शकों की संख्या नहीं बढ़ी तब सिनेमाघर फिल्म के शो कम या बंद कर देंगे।

रिलीज वाले शुक्रवार की शाम, पूरी टीम ने मिलकर विचार-विमर्श किया। इम्तियाज अली ने तय किया कि वे सीधे दर्शकों से मिलेंगे। उन्हें विश्वास था कि फिल्म अच्छी है और जिसने भी इसे देखा है उसे यह पसंद आई है। अब सबसे बड़ा सवाल यही था कि इस सकारात्मक प्रतिक्रिया को अधिक से अधिक लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए। अगले दिन, यानी शनिवार से, इम्तियाज अली, शिवाशिष सरकार और पूरी कलाकार टीम की नई यात्रा शुरू हुई। 26 दिनों में वे इंदौर, दिल्ली, मुंबई, पुणे सहित कई शहरों में 50 से अधिक सिनेमाघरों में आयोजित विशेष फिल्म प्रदर्शनों में पहुंचे। कुछ जगहों पर स्वयं इम्तियाज अली दर्शकों से मिले, जबकि अन्य स्थानों पर वेदांग रैना या फिल्म के अन्य कलाकार मौजूद रहे।

फिल्म के प्रदर्शन के बाद इम्तियाज अली जब दर्शकों से मिलते हैं तब कई बार लोग भावुक होकर अपनी निजी यादें और जीवन की कहानियां उनसे साझा करते हैं। सिनेमाघरों में मौजूद अन्य लोग इन मुलाकातों के वीडियो रिकॉर्ड कर लेते हैं। बाद में इन्हें विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया जाता है। देखते ही देखते ये वीडियो इतने व्यापक रूप से वायरल हो गए हैं कि बिना किसी डिजिटल एजेंसी की रणनीति और बिना स्टूडियो के पैसे खर्च किए इस तरह की लोकप्रियता मिलना विरल है।

शिवाशिष सरकार बताते हैं कि कंपनी ने जानबूझकर इस प्रक्रिया में कोई दखल नहीं दिया। इम्तियाज अली कहते हैं, 'मेरे जीवन में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इस बार फिल्म के प्रचार और मार्केटिंग की कमान खुद दर्शकों ने संभाल ली। उन्होंने ही दूसरे लोगों को सिनेमाघरों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। हर दिन थिएटर में दर्शकों की संख्या और फिल्म की कमाई दोनों बढ़ती गई।' तयशुदा और एक जैसी मार्केटिंग रणनीतियों पर निर्भर रहने वाले फिल्म स्टूडियो के शीर्ष अधिकारियों और संचार विशेषज्ञों के लिए इस अनुभव में तीन महत्त्वपूर्ण सबक हैं। पहली सीख यह है कि केवल डिजिटल दुनिया तक ही सीमित न रहें। मार्केटिंग का पहला नियम है, अपने उपभोक्ता को समझना। मीडिया केवल सही दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम है, वह स्वयं मार्केटिंग रणनीति नहीं है। आज लगभग 56.6 करोड़ भारतीय, इंटरनेट का उपयोग करते हैं लेकिन देश का एक बड़ा वर्ग अब भी टेलीविजन देखता है, अखबार-पत्रिकाएं पढ़ता है या फिर सीधे संवाद की प्रतीक्षा करता है।

बालसुलभ अबोध आनंद में रहना ही सहजयोग है

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियाँ प्राप्त करना नहीं, बल्कि उस शाश्वत आनंद का अनुभव करना है जो मन को पूर्ण शांति, संतुलन और संतुष्टि प्रदान करता है। सहजयोग में यह आनंद बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि हमारे भीतर विद्यमान मासूमियत, निर्मलता और अबोधिता के जागरण से स्वतः प्रकट होता है। अबोधिता वह दिव्य गुण है जो मनुष्य को अहंकार, छल, कपट और कृत्रिमता से मुक्त कर सहज, सरल और प्रेमपूर्ण बनाता है। यदि अबोधिता को समझना हो तो हमें एक छोटे बालक की ओर देखना चाहिए, जो संसार की जटिलताओं और मायावी आकर्षणों से अछूता रहकर सहज हँसी, निष्कपट प्रेम और स्वाभाविक आनंद में जीता है। सहजयोग में श्री गणेश इस पवित्र अबोधिता के अधिष्ठाता माने जाते हैं और साधक के भीतर इसी दिव्य गुण की रक्षा एवं पोषण करते हैं। जब यह मासूमियत जागृत होती है, तब व्यक्ति वर्तमान क्षण में स्थापित होकर भय, तनाव और मानसिक अशांति से मुक्त हो जाता है तथा उसका जीवन सहज आनंद से भर उठता है। सहजयोग की संस्थापिका परम पूज्य आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी ने 22 अगस्त 1982 के अपने उद्बोधन में कहा था कि मासूमियत ही वह माध्यम है जिससे मनुष्य स्वयं भी आनंद का अनुभव करता है और दूसरों के जीवन में भी आनंद का संचार करता है। उनके अनुसार वास्तविक आनंद किसी बनावट, तर्क या प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि फूल की सुगंध की तरह स्वाभाविक रूप से खिलने वाली अवस्था है, जो किसी को चोट नहीं पहुँचाती, किसी को परेशान नहीं करती, बल्कि प्रेम, करुणा और सहजता का प्रसार करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल एक निर्दोष और अबोध व्यक्ति ही उस सूक्ष्म आनंद का अनुभव कर सकता है जिसे अत्यधिक गंभीर या केवल तर्कप्रधान व्यक्ति प्रायः अनुभव नहीं कर पाता। यही कारण है कि सहजयोग का मूल उद्देश्य साधक को आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से इस चिरस्थायी आनंद की अवस्था तक पहुँचाना है, जहाँ जीवन सहज, संतुलित, भयमुक्त और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बन जाता है।

यूज्ड ईवी: बदलती सोच, बदलता बाजार और बदलता भारत

हर बदलाव नई चीज़ों से नहीं, नई सोच से जन्म लेता है। भारत में यूज्ड इलेक्ट्रिक वाहनों का तेज़ी से बढ़ता बाजार इसका प्रमाण है। यह केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की रफ्तार नहीं, बल्कि विकास को उपभोग नहीं, उपयोगिता की कसौटी पर परखने का संकेत है। जिस वाहन को कल तक ÷सेकंड हैंड÷ कहकर नजरअंदाज किया जाता था, वही आज स्वच्छ पर्यावरण, किफायती परिवहन और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद वाहक बन गया है। यूज्ड ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार की यह उड़ान महज़ आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की पहचान है, जो सीमित संसाधनों में भी भविष्य गढ़ना जानता है।

बदलाव की असली पहचान तब होती है, जब वह आम आदमी की पहुँच में उतर आए। इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ यही हो रहा है। नई ईवी कारों और दोपहिया वाहनों की ऊँची कीमत मध्यम वर्ग के लिए अब भी चुनौती है, लेकिन यूज्ड ईवी बाजार ने यह बाधा तोड़ दी है। कम कीमत, पर्याप्त बची हुई बैटरी लाइफ और आसान फाइनेंसिंग ने लाखों लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सुलभ कर दिए हैं। आर्थिक सीमाओं में बंधे लोग अब पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। पहली इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर अब केवल संपन्न वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक की पहुँच में है।

पूँजी हमेशा वहीं जाती है, जहाँ भविष्य दिखाई देता है। यूज्ड ईवी बाजार ने वित्तीय संस्थानों का यही भरोसा जीता है। फाइनेंस कंपनियाँ इसे केवल ऋण का नया क्षेत्र नहीं, बल्कि कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाला निवेश मान रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता और निरंतर बढ़ती मांग ने इस बाजार को मजबूत आधार दिया है। जब निवेश विश्वास के साथ बढ़ता है, तो स्पष्ट होता है कि बाजार क्षणिक उत्साह नहीं, स्थायी संभावनाओं पर टिका है। यही भरोसा आने वाले वर्षों में यूज्ड ईवी बाजार की रफ्तार को और तेज करेगा।

सबसे बड़ा लाभ बाजार का नहीं, सांसों का है। यूज्ड ईवी बाजार की असली उपलब्धि यही है कि हर इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता को थोड़ा और कम करता है। जहरीली हवा और बढ़ते प्रदूषण से जूझते भारतीय शहरों में यह बदलाव किसी शोरगुल वाले अभियान से नहीं, बल्कि एक मौन हरित क्रांति के रूप में सामने आया है। इसकी ताकत नारों में नहीं, व्यवहार में है। हर पुरानी इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर को मिला नया जीवन वातावरण में प्रदूषण घटाने और स्वच्छ भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक ठोस कदम है।

विकास का भविष्य नए संसाधन जुटाने में नहीं, पुराने संसाधनों के बेहतर उपयोग में है। यूज्ड ईवी बाजार इसी सोच का विस्तार है। किसी पुराने इलेक्ट्रिक वाहन का पुनः उपयोग केवल वाहन नहीं बचाता, बल्कि उसके निर्माण में लगी ऊर्जा और खनिज भी बचाता है। नई बैटरियों के उत्पादन में भारी संसाधन लगते हैं, जबकि मौजूदा बैटरी का उपयोग पर्यावरणीय दबाव घटाता है। यही परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) का आधार है, जहाँ वस्तुएँ खत्म नहीं होतीं, नया उपयोग पाती हैं। इसलिए यूज्ड ईवी बाजार केवल सस्ता विकल्प नहीं, संसाधन संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है।

हर उड़ान की परीक्षा उसकी ऊँचाई नहीं, स्थिरता होती है। यूज्ड ईवी बाजार के सामने यही चुनौती है। बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद बैटरी की गुणवत्ता सबसे बड़ा प्रश्न बनी हुई है। हर खरीदार के मन में सवाल है कि बची हुई बैटरी कितने वर्षों तक भरोसेमंद रहेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का सीमित विस्तार, प्रशिक्षित सर्विस सेंटरों की कमी और बैटरियों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) का कमजोर ढाँचा इसकी रफ्तार रोक सकता है। इन कमियों का समाधान नहीं हुआ, तो आज का उत्साह कल अविश्वास में बदल सकता है। तकनीकी बदलाव की सफलता केवल बिक्री नहीं, मजबूत तंत्र से तय होती है।

समाधान बिखरे प्रयासों में नहीं, साझा संकल्प में है। सरकार, वाहन निर्माता और वित्तीय संस्थानों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। बैटरियों का स्पष्ट स्टैंडर्डाइजेशन, सेकंड लाइफ बैटरियों के सुरक्षित उपयोग की नीति, यूज्ड ईवी के लिए विशेष इंश्योरेंस, प्रमाणित बैटरी हेल्थ रिपोर्ट और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क इस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतें हैं। सरकार दूरदर्शी नीति बनाए, वाहन कंपनियाँ भरोसेमंद सेवाएँ दें और फाइनेंस कंपनियाँ आसान वित्त दें, तो यूज्ड ईवी बाजार केवल कारोबार नहीं, भारत की हरित अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। टिकाऊ विकास तभी संभव है, जब नीति, तकनीक और वित्त एक दिशा में बढ़ें।

हरित विकास तभी सार्थक है, जब वह आम आदमी की पहुँच में हो। यूज्ड ईवी बाजार ने यह संभव किया है। जो हरित तकनीक कभी सम्पन्न वर्ग तक सीमित थी, वह अब मध्यम वर्ग का विकल्प बन रही है। सीमित आय वाला परिवार कम कीमत में पहली इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर या बाइक खरीदकर केवल ईंधन नहीं बचाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा में अपना योगदान देता है। यही लोकतांत्रिक हरित क्रांति है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण विशेषाधिकार नहीं, जनभागीदारी बन जाता है। यूज्ड ईवी बाजार ने साबित किया है कि टिकाऊ विकास महँगा नहीं, समझदारी का विकल्प हो सकता है।

भविष्य उन देशों का होता है, जो संसाधनों का मूल्य समझते हैं। यूज्ड ईवी बाजार ने दिखाया है कि विकास और पर्यावरण साथ चल सकते हैं। मजबूत नीतियाँ, बेहतर आधारभूत ढाँचा और विश्वसनीय तकनीक मिली, तो भारत ग्रीन मोबिलिटी में विश्व नेतृत्व हासिल कर सकता है। तब दुनिया भारत को केवल बड़े वाहन बाजार के रूप में नहीं, बल्कि संसाधनों के पुनः उपयोग को विकास का आधार बनाने वाले देश के रूप में पहचानेगी। इस बदलाव का नायक कोई नया वाहन नहीं, बल्कि वही पुराना वाहन है, जिसे समाज ने नया उद्देश्य दिया। कल की सेकंड हैंड कार आज पर्यावरण की प्रहरी है। यही सोच कल के भारत की पहचान बन सकती है।

-प्रो. आरके जैन

महिलाओं की नकद हस्तांतरण योजनाओं ने बदली तस्वीर, लेकिन बढ़ा राज्यों पर वित्तीय दबाव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) द्वारा प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि महिलाओं के लिए नकद हस्तांतरण योजनाएं कैसे काम कर रही हैं। यह अध्ययन महाराष्ट्र और ओडिशा पर केंद्रित है। महाराष्ट्र सरकार मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिण योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये हस्तांतरित करती है। ओडिशा सरकार, सुभद्रा योजना के तहत, प्रति वर्ष लगभग 10,000 रुपये की राशि अर्धवार्षिक किस्तों में हस्तांतरित करती है। चूंकि ऐसी योजनाएं राजनीतिक रूप से और मतदाताओं के बीच लोकप्रिय हो गई हैं, इसलिए इनके परिणामों का अध्ययन करने के सभी प्रयासों का स्वागत किया जाना चाहिए।

अध्ययन में पाया गया कि महाराष्ट्र में माह के अंत में लाभार्थियों की अधिशेष राशि में लगभग 84 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि खर्च में लगभग 46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, ओडिशा कार्यक्रम के कारण अधिशेष में लगभग 45 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि खर्च लगभग 28 फीसदी बढ़ा। अध्ययन में खर्च की संरचना और अन्य सकारात्मक प्रभावों जैसे विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया है।

हालांकि इस अध्ययन में विभिन्न हितधारकों की रुचि हो सकती है, लेकिन इसके मुख्य निष्कर्ष आश्चर्यजनक नहीं हैं। दुनिया के अन्य हिस्सों से मिले प्रमाणों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि नियमित और पूर्वानुमानित नकद हस्तांतरण से लाभार्थियों की स्थिति में सुधार होगा। हालांकि, नकद हस्तांतरण योजनाओं के अन्य पहलुओं पर भी पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है।ऐसी योजनाओं का भविष्य क्या होगा, और क्या नकद हस्तांतरण को अन्य सार्वजनिक नीतिगत उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बढ़ाया जा सकता है जैसा कि अध्ययन में बताया गया है, वर्ष 2025-26 के अंत तक, 15 से अधिक राज्यों ने महिलाओं के लिए किसी न किसी रूप में बिना शर्त नकद हस्तांतरण योजना शुरू की थी। संभावना है कि और भी राज्य इस मॉडल का अनुसरण करेंगे। ऐसी योजनाओं पर अनुमानित व्यय लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये है, जिससे लगभग 12 करोड़ महिलाओं को लाभ मिल रहा है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि ये योजनाएं ज्यादातर राज्यों के लिए अतिरिक्त व्यय हैं, जिसके लिए धन का इंतजाम करना समय के साथ महंगा साबित हो सकता है। पिछले वर्ष पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा किए गए एक अध्ययन में दिखाया गया था कि 2025-26 में ऐसी योजना वाले आधे राज्यों को राजस्व घाटे का सामना करना पड़ सकता है। दूसरे शब्दों में, वे इन हस्तांतरणों के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए बाजार से ऋण ले रहे हैं, जिसे संभालना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, अन्य नकद हस्तांतरण योजनाएं भी मौजूद हैं। सोलहवें वित्त आयोग के अनुसार, बड़े समूह को नकद हस्तांतरण के रूप में दी जाने वाली राशि 2018-19 में राजस्व सब्सिडी के 3 फीसदी से बढ़कर 2025-26 (बजट अनुमान) में 20 फीसदी से अधिक हो गई है।

-सुनील कुमार महला

टाटा संस की लिस्टिंग पर इतना शोर क्यों?

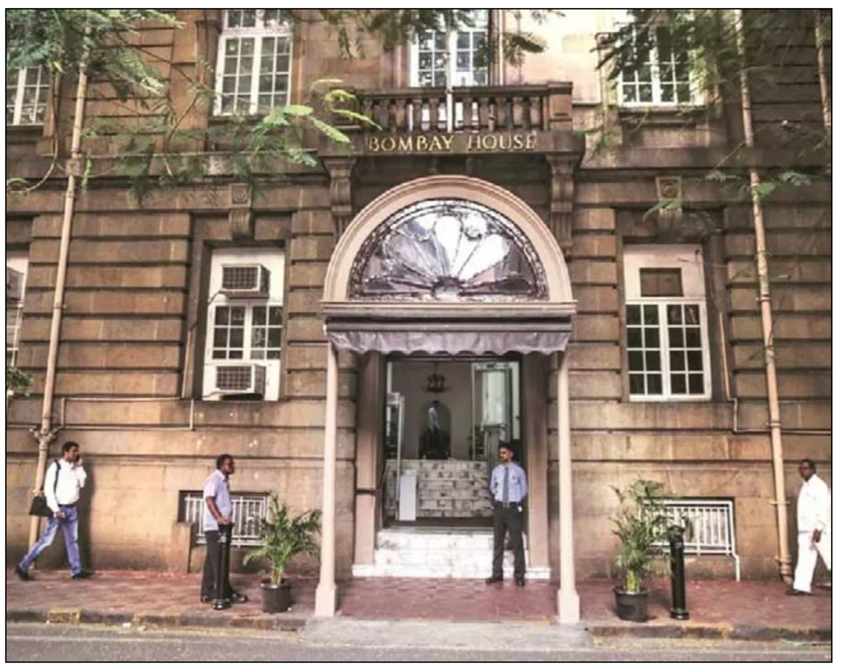

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के किसी निर्देश को विभिन्न व्यापारिक समाचार पत्रों द्वारा इतनी अलग-अलग तरह से शायद ही कभी पढ़ा गया हो। यहां मैं आरबीआई (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-पंजीकरण, छूट और पैमाने आधारित विनियमन के लिए ढांचा) द्वितीय संशोधन निर्देश 2026 की बात कर रहा हूं, जो 24 जून को जारी किया गया था।

एक अखबार की हेडलाइन में कहा गया कि केंद्रीय बैंक के निर्देश के बाद टाटा संस शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकती है। एक अन्य वित्तीय अखबार ने कहा कि संशोधन में उल्लिखित नए नियम टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से कुछ समय के लिए राहत दे सकते हैं। एक अन्य समाचार पत्र का कहना था कि आरबीआई के इस फरमान के बाद टाटा संस की लिस्टिंग अधर में लटक गई है। टाटा संस भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है।

सबसे पहले, जानें कि टाटा संस का स्वरूप क्या है? यह एक कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) है, यानी एक विशिष्ट गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) जिसका मुख्य व्यवसाय समूह की कंपनियों में निवेश/हिस्सेदारी रखना है। यह एनबीएफसी है, लेकिन होल्डिंग कंपनी है, और सीधे तौर पर जनता को ऋण देने या कभी-कभी जमा स्वीकार करने के एनबीएफसी व्यवसाय में शामिल नहीं है।

भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 में प्रमुख व्यावसायिक मानदंडों (पीबीसी) का उल्लेख है, लेकिन इसे परिभाषित करने का अधिकार नियामक को दिया गया है। पीबीसी को कानून में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। आरबीआई को समय-समय पर इसे निर्धारित करने की छूट है। एनबीएफसी के लिए, आरबीआई '50-50 मानदंड' का पालन करता है।

यदि किसी कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियां कुल परिसंपत्तियों का कम से कम 50 फीसदी हैं और ऐसी परिसंपत्तियों से होने वाली आय उसकी सकल आय का कम से कम 50 फीसदी है, तो वह एक एनबीएफसी है। हालांकि, आरबीआई ने एनबीएफसी के लिए न्यूनतम शुद्ध स्वामित्व निधि (एनओएफ) की आवश्यकता को चरणबद्ध तरीके से 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया है। मौजूदा एनबीएफसी को 31 मार्च, 2027 तक अपनी निधि को नई सीमा तक बढ़ाने का समय दिया गया है, जबकि नए प्रवेशकों को शुरुआत से ही इस आवश्यकता को पूरा करना होगा।

सीआईसी एक गैर-संचालित होल्डिंग कंपनी होती है जिसकी आय का प्राथमिक स्रोत समूह कंपनियों से अर्जित लाभांश और ब्याज है। इसकी अपनी पूंजी और भंडार होते हैं, लेकिन चूंकि यह समूह कंपनियों में निवेश करती है और उन्हें ऋण देती है, इसलिए इसकी शुद्ध परिसंपत्ति ऋणात्मक हो सकती है। यही कारण है कि सीआईसी के लिए, आरबीआई समायोजित शुद्ध परिसंपत्ति के मानदंड का पालन करता है।

पीबीसी के संदर्भ में, सीआईसी के लिए मानक अनुपात 90-60 है। इक्विटी शेयर, प्रेफरेंस शेयर, बॉन्ड, डिबेंचर, ऋण या लोन के रूप में निवेश के तौर पर समूह कंपनियों में सीआईसी की हिस्सेदारी उसकी कुल परिसंपत्ति का कम से कम 90 फीसदी होनी चाहिए। इसमें से समूह कंपनियों के इक्विटी शेयरों में उसका निवेश उसकी कुल परिसंपत्ति का कम से कम 60 फीसदी होना चाहिए।

यदि कोई सीआईसी इन मानदंडों को पूरा करने में विफल रहती है, तो वह एक सामान्य एनबीएफसी बन जाती है। नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार, एनबीएफसी के लिए न्यूनतम पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 15फीसदी है। यह विवेकपूर्ण विनियमन सभी सीआईसी पर लागू नहीं होता है। लेकिन, एक 'प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण' सीआईसी को अपनी कुल जोखिम भारित परिसंपत्तियों और बैलेंस शीट से बाहर के मदों के न्यूनतम 30 फीसदी के बराबर समायोजित शुद्ध संपत्ति बनाए रखना आवश्यक है। अंततः, आरबीआई के मास्टर सर्कुलर के अनुसार, एक सीआईसी अपनी समायोजित शुद्ध परिसंपत्ति के 2.5 गुना तक बाजार से ऋण ले सकती है।

आरबीआई के 24 जून के निर्देश के माध्यम से ऊपरी स्तर के वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन किया गया। अब यह केवल परिसंपत्ति के आकार से जुड़ा है। इसकी सीमा 1 लाख करोड़ रुपये है। वर्गीकरण मानदंड में बदलाव हुआ है, ऊपरी स्तर की एनबीएफसी पर लागू होने वाले विवेकपूर्ण विनियमन में नहीं। ऐसी एनबीएफसी के लिए लिस्टिंग मानदंडों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। इसी ढांचे में यह भी उल्लेख किया गया है कि जो एनबीएफसी 'सार्वजनिक निधियों' का उपयोग नहीं करते और जिनका 'ग्राहक संपर्क' नहीं होता, उनकी जोखिम प्रोफाइल भिन्न होती है और इसलिए उन्हें अलग नियामक व्यवहार की आवश्यकता होती है। इन्हें टाइप 1 एनबीएफसी कहा जाता है।

संयोगवश, जून के निर्देश से पहले, 29 अप्रैल को, टाइप 1 एनबीएफसी के लिए एक नया नियामक ढांचा निर्धारित किया गया था (जो 1 जुलाई से लागू हुआ)। 'अपंजीकृत सीआईसी' की अवधारणा की तरह, इस ढांचे में 'अपंजीकृत टाइप 1 एनबीएफसी ' की अवधारणा भी शामिल की गई है। दोनों को आरबीआई के साथ पंजीकरण से छूट दी गई है, बशर्ते कि वे सार्वजनिक धन न लें और उनका ग्राहकों से कोई सीधा संबंध न हो।

सार्वजनिक निधियों में सार्वजनिक जमा, वाणिज्यिक पत्र, डिबेंचर, अंतर-कॉरपोरेट जमा और बैंक वित्त के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुटाई गई निधियां शामिल हैं। इनमें 10 वर्षों के भीतर अनिवार्य रूप से इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय साधनों के निर्गम द्वारा जुटाई गई निधियां शामिल नहीं हैं।

और, ग्राहक संपर्क का अर्थ है व्यवसाय संचालन के दौरान एनबीएफसी और उसके ग्राहकों के बीच होने वाली बातचीत। टाइप 1 एनबीएफसी और सीआईसी दोनों को ही आरबीआई पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। इस मामले में कुछ भी नहीं बदला है। टाइप 1 के लिए, पंजीकरण हेतु संपत्ति का आकार 1,000 करोड़ रुपये होना अनिवार्य है (29 अप्रैल को अधिसूचित)। 24 जून के निर्देश में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसी प्रकार, जून के निर्देश में 'अपंजीकृत सीआईसी' के बारे में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मेरे तर्क का मुख्य बिंदु यह है कि पंजीकरण, छूट और पैमाने-आधारित विनियमों के ढांचे में दूसरे संशोधन से संबंधित 24 जून का निर्देश, पैमाने-आधारित विनियमन के तहत उच्च स्तरीय गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए संशोधित पात्रता मानदंडों से संबंधित है। आरबीआई द्वारा 29 अप्रैल को जारी संशोधन निर्देशों में उल्लिखित सार्वजनिक निधियों का संदर्भ और उसकी परिभाषा, या 24 जून के निर्देश से उसका हटाया जाना, टाटा संस से संबंधित प्रतीत नहीं होता है।

संक्षेप में, टाटा संस पंजीकृत हो या अपंजीकृत, एक सीआईसी ही बनी रहेगी। उसे 90-60 के सिद्धांत का पालन करना होगा। यदि यह उच्च श्रेणी में आती है, तो सार्वजनिक लिस्टिंग इसके लिए आवश्यक नियामक शर्तों में से एक होगी। हालांकि, यदि यह 'अपंजीकृत सीआईसी' की श्रेणी में आती है, तो यह विवेकपूर्ण विनियमन से मुक्त रहेगी।

-धनंजय राजौरा

श्रुतधाम : ज्ञान, साधना और संस्कृति का जीवंत तीर्थ

समय की धूल राजमहलों को ढँक सकती है, पर शब्दों की ज्योति कभी नहीं बुझती। किसी समाज की सबसे अमूल्य निधि उसके ग्रंथ, उसकी परंपरा और उसकी स्मृतियाँ होती हैं। जब ये बिखरने लगते हैं, तब केवल इतिहास नहीं खोता, आत्मा भी मौन होने लगती है। ऐसे विरले तपस्थल, जो इस अमूल्य विरासत को पुनः जीवन देकर पीढ़ियों तक पहुँचा दें, वे केवल संस्थान नहीं, संस्कृति के शाश्वत दीप बन जाते हैं। मध्यप्रदेश के बीना, सागर स्थित अनेकांत ज्ञान मंदिर (श्रुतधाम), राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य दिगम्बर जैन मुनिश्री सरलसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में विकसित, ऐसी ही दिव्य ज्ञान-साधना का जीवंत आलोक है।

श्रुत की रक्षा नहीं, श्रुत का पुनर्जागरण- जब समय अपनी अमूल्य धरोहरों को विस्मृति के हवाले कर रहा था, तब 20 फरवरी 1992 को श्रुतधाम एक मौन संकल्प बनकर प्रकट हुआ। यह किसी भवन का आरंभ नहीं, बल्कि उस चेतना का जागरण था जिसने श्रुत परंपरा को संग्रह नहीं, पीढ़ियों के संस्कार का आधार माना। यहाँ इतिहास को अतीत की स्मृति बनाकर नहीं छोड़ा गया, बल्कि वर्तमान का पथप्रदर्शक बना दिया गया। स्थापना के साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अध्ययन और प्रचार-प्रसार का सतत यज्ञ आरंभ हो गया।

जहाँ दुर्लभ ग्रंथों ने फिर से जीवन पाया- देश के 15 राज्यों के 600 से अधिक स्थलों से संजोए गए 30,000 से अधिक दुर्लभ जैन ग्रंथ तथा 200 से अधिक ताड़पत्र और प्राचीन पांडुलिपियाँ आज श्रुतधाम की अमूल्य निधि हैं। लगभग 1300 वर्ष पुरानी सुभाषित रत्नावली और चार शताब्दी पुराना स्वर्णाक्षरित भक्तामर स्तोत्र मात्र प्राचीन ग्रंथ नहीं, बल्कि इस सत्य के जीवंत प्रमाण हैं कि जहाँ संकल्प अडिग हो, वहाँ काल भी ज्ञान की ज्योति मंद नहीं कर पाता।

जहाँ ग्रंथ बोलते हैं और पीढ़ियाँ सुनती हैं- श्रुतधाम की पहचान उसके संग्रह से नहीं, उस चेतना से है जो ग्रंथों के ज्ञान को जीवन से जोड़ती है। यहाँ पांडुलिपियाँ केवल सुरक्षित नहीं, समाज की प्रेरणा हैं। ब्रह्मचारी संदीप सरल भैयाजी के मार्गदर्शन में आचार्यों की वाणी अतीत नहीं, वर्तमान का आलोक बनकर प्रवाहित है। यहाँ युवा पीढ़ी को केवल ज्ञान नहीं, विचार, विवेक, चरित्र और आत्मजागरण का संस्कार मिलता है। संस्थान में प्राकृत भाषा, जैन दर्शन और शास्त्र-अध्ययन की नियमित कक्षाएँ संचालित होती हैं। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से श्रुत-आराधना का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे दूर-दूर के जिज्ञासु श्रावक लाभान्वित हो रहे हैं।

हरित चेतना का आध्यात्मिक विस्तार- श्रुतधाम का विस्तार केवल शास्त्रों तक नहीं, प्रकृति की गोद तक है। सहस्रों वृक्षों और चौबीस तीर्थंकरों से संबद्ध पावन वनस्पतियों के माध्यम से यह संदेश साकार होता है कि धर्म केवल उपासना नहीं, जीवन-संस्कृति है। यहाँ पर्यावरण संरक्षण अभियान नहीं, साधना का सहज स्वरूप है। परिसर का विकसित वन क्षेत्र और जैविक खेती के प्रयास इस हरित चेतना को और सुदृढ़ करते हैं।

एक संकल्प जिसने इतिहास बदल दिया- श्रुतधाम किसी भवन की नहीं, एक विश्वास की रचना है। यह उस संकल्प का साकार रूप है जिसने सिद्ध किया कि समाज यदि अपनी ज्ञान-परंपरा का संरक्षण करे, तो खोई विरासत भी पुनः जीवंत हो उठती है। यह स्थल संतों, श्रावकों और समर्पित साधकों के सामूहिक पुरुषार्थ का साक्षी है, जिसने ऐसी चेतना जगाई है जो आज भी पीढ़ियों का पथ आलोकित कर रही है। परिसर में निर्माणाधीन भव्य मुक्ताकाश समवशरण मंदिर उसी दूरदृष्टि का प्रतीक है। 41 हजार वर्गफुट में आकार ले रहा बुंदेलखंड का प्रथम मुक्ताकाश समवशरण मंदिर जैन परंपरा की भव्यता को नई ऊँचाई दे रहा है।

श्रुतधाम - एक स्थान नहीं, एक सतत आंदोलन- मध्यप्रदेश के बीना, सागर में स्थित श्रुतधाम आज केवल तीर्थ नहीं, भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्जागरण का जीवंत प्रतीक है। यहाँ अतीत भविष्य का पथ प्रशस्त करता है, इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और श्रुत केवल पढ़ा नहीं, जिया जाता है। इसी कारण श्रुतधाम भवन नहीं, एक चेतना है; संस्था नहीं, सतत प्रवाहित सांस्कृतिक अभियान है। जैन श्रुत परंपरा के पुनर्जीवन के साथ यह समूची भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण का भी सशक्त केंद्र बन चुका है।

-कृति आरके जैन

बदमाशों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर बदमाशों ने किया हमला

लूट की योजना बना रहे थे पांच बदमाश, जून में मक्सी में भी की थी लूट की वारदात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी पुलिस ने जियो पेट्रोल पंप में लूट की प्लानिंग कर रहे पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जब पुलिस टीम इन बदमाशों को पकड़ने पहुंची तो इन बदमाशों ने गुलेल व पत्थरों से पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हालांकि पुलिस ने भी इन्हें जवाब दिया और धरदबोचा। जब कड़ाई से पूछताछ की तो लूट की प्लानिंग तो कबूली ही। साथ ही 20 जून को एक घर में की गई लूट की वारदात को भी कबूल किया। इसके बाद पुलिस ने लूटा गया माल भी बरामद कर लिया।

शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम पर हुई प्रेसवार्ता में एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 10 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि मक्सी बायपास एबी रोड ब्रिज के नीचे सिरोलिया रोड की ओर एक काले रंग की कार क्रमांक एमपी 13 एके-1978 में पांच व्यक्ति जो पारदी समुदाय की बोली बोल रहे हैं वो लोग जियो पेट्रोल पंप डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना की पुष्टि करने के बाद कार्रवाई हेतु थाना मक्सी से दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मुखबिर द्वारा बताए अनुसार उक्त कार दिखाई दी। पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने पर कार में सवार पांचों व्यक्ति भागने लगे तथा पुलिस दल पर गिलोल से पत्थर चलाकर हमला किया। आरोपियों को पकड़ने के दौरान गुत्थम-गुत्था में एक आरोपी ने बड़े स्क्रू-ड्राइवर से आरक्षक चन्द्रशेखर जाट पर हमला कर दिया, जिससे उनके दाहिने हाथ में चोट आई। इसके बावजूद पुलिस टीम ने साहस एवं सतर्कता का परिचय देते हुए पांचों आरोपियों को पीछा कर पकड़ लिया। जिनमें मिथुन पिता किशन पारदी (33) निवासी ग्राम खेजड़ा चक, हाल हड्डी मिल, जिला गुना, बाली पिता करतारसिंह पारदी (30) निवासी ग्राम करय्या थाना बहादुरपुर जिला अशोकनगर, देवराज पंवार (पारदी) पिता भूपतसिंह पंवार (22) निवासी ग्राम विश्वानगर, थाना धरनावदा, हाल बूढ़ा बालाजी, जिला गुना, वनराज पंवार (पारदी) पिता भूपतसिंह पंवार (21) निवासी ग्राम विश्वानगर, थाना धरनावदा जिला गुना व अभिषेक सेलर (केवट) पिता धनकुमार केवट (27) निवासी ग्राम पिपलोद, थाना कैंट, जिला गुना शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से डकैती की तैयारी में उपयोग किए जाने वाले औजार, जिनमें प्रेशर गैस कटर सहित अन्य सामग्री एवं किया सोलेट कार जब्त की गई।

पूछताछ में कबूली लूट की वारदात, लाखों का माल बरामद- जब पुलिस ने बदमाशों से कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपियों ने 20 जून को लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया तथा लूटा गया सोना-चांदी सिरोलिया के जंगल में छिपाकर रखना बताया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने लगभग 4.50 लाख मूल्य का लूटा गया सोना-चांदी के आभुषण बरामद किया। कार एवं अन्य जब्त सामग्री सहित लगभग 16.50 लाख मूल्य का मशरूका बरामद किया गया है। प्रकरण में आरोपियों से विस्तृत पूछताछ जारी है तथा अन्य वारदातों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा, उपनिरीक्षक मनोहर चौहान, सहायक उपनिरीक्षक अभिषेक दीक्षित, प्रधान आरक्षक रामेश्वर जाटव, प्रधान आरक्षक राजेश पटेल, प्रधान आरक्षक विपिनसिंह तोमर, प्रधान आरक्षक निलेश जामलिया, आरक्षक चन्द्रशेखर जाट, आरक्षक रोहित पटेल, आरक्षक सुरेश मालवीय एवं आरक्षक जगदीश मीणा की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पवन चक्की में किया हमला, कंपनी को हुआ एक लाख का नुकसान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भेरू डूंगरी पर लगी पवन चक्की में अज्ञात बदमाशों ने हमला कर वहां तोड़फोड़ की। जिसकी वजह से कंपनी को एक लाख रू. का नुकसान हुआ है। लालघाटी पुलिस ने शिकायत के बाद चार बदमाशों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हेड्रोन सिक्योरिटी सर्विस के सिक्योरिटी सुपरवाइजर राहुल शर्मा ने इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। राहुल पावरकान कंपनी की पवन चक्कियों की सुरक्षा व्यवस्था देखते हैं। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई की रात करीब 9 बजे वह चौकीदार ईश्वर सिंह के साथ पवन चक्की क्रमांक एलएएचआर-093 के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कुछ लोगों को पवन चक्की पर पत्थर बरसाते देखा। पास जाने पर देखा तो वहां सुरेश, ज्ञानसिंह, दीवान और सोनू थे। जिन्हें टोकने पर आरोपियों ने राहुल और ईश्वर सिंह पर भी पत्थर फेंके और मौके से भाग निकले। इस हमले में दोनों सुरक्षाकर्मी बाल-बाल बचे। सुपरवाइजर राहुल शर्मा ने बताया कि पथराव के कारण पवन चक्की की मशीन को गंभीर नुकसान पहुंचा है। तकनीकी खराबी के चलते यह मशीन पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे बिजली का उत्पादन रुक गया है और कंपनी को लगातार बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को बताया कि इस औद्योगिक क्षेत्र में चोरी और तोड़फोड़ की वारदातें पहले भी हो चुकी हैं। सिक्योरिटी एजेंसी ने प्रशासन से पूरे क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल लालघाटी पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में किया पौधारोपण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया स्थित शासकीय महाविद्यालय परिसर में शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। साथ ही उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षा का भी संकल्प लिया गया।

आर्यावर्त शासकीय महाविद्यालय मोहन बड़ोदिया में बैंक आफ़ इंडिया, महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को पौधरोपण अभियान चलाया गया। यहां महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. मनोज लश्करी सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं बैंक के समस्त स्टाफ ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर बैंक से निशांत भट्ट, अर्जुन परिहार, नरेंद्र कारपेंटर, दामूलाल, आयशा, शुभम बरेठा एवं महाविद्यालय से डॉ. दीपा वाडिया, सौम्यासिंह तोमर, डॉ. प्रीति राजपूत, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजकुमार सूत्रकार, डॉ. ओमप्रकाश, क्रीड़ा अधिकारी अभय भोंसले, प्रो. गोपाल वर्मा, मदनलाल मालवीय, मोहन सूर्यवंशी आदि उपस्थित थे।

चरक जयंती महोत्सव पर अमलतास आयुर्वेद संस्थान में विशेष व्याख्यान, विद्यार्थियों को कौशल विकास और सकारात्मक जीवनशैली का मिला संदेश

आर्ट ऑफ लिविंग के विशेषज्ञों ने तनाव प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास और प्रभावी संवाद कौशल पर किया मार्गदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक जयंती महोत्सव के पावन अवसर पर अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भावी आयुर्वेद चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों में कौशल विकास, मानसिक दृढ़ता, व्यक्तित्व विकास तथा सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का आयोजन अमलतास ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन सुरेश सिंह भदौरिया एवं चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर मनीष शर्मा एवं प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से आए विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. राशि भालसे, अभय शर्मा एवं नितिन जैन का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विशेष व्याख्यान में वक्ताओं ने कहा कि एक सफल आयुर्वेद चिकित्सक बनने के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रभावी संवाद कौशल, तनाव प्रबंधन, धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, आत्मविकास और सेवा भावना को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर संवाद किया तथा ऐसे ज्ञानवर्धक आयोजनों को भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। आयोजन का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

आज चार घंटे बंद रहेगी बिजली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को नगर के आधा दर्जन से अधिक क्षेत्रों में सुबह 8 से दोपहर 12.30 बजे तक विद्युत प्रदाय बाधित रहेगा। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जिला पंचायत कार्यालय, जिला जेल, कलेक्ट्रेट परिसर, ट्रामा सेंटर, डाइट कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, एसपी कार्यालय, विजय नगर, ज्योति नगर, राजराजेश्वरी मंदिर तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर जिला अस्पताल सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

कंपनी के अनुसार इस दिन रखरखाव एवं तकनीकी कार्य के चलते शहर के कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद रहेगी। विभाग के अनुसार जिला अस्पताल में आवश्यक कार्य तथा न्यू कलेक्ट्रेट फीडर के अंतिम चरण का कार्य किया जाना है। इसके कारण लालघाटी उपकेंद्र से संचालित 11 केवी जेल फीडर एवं 11 केवी इमरजेंसी फीडर की बिजली आपूर्ति सुबह 8 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक बंद रहेगी। इस दौरान विद्युत विभाग ने संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक कार्य पहले से निपटा लें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि तकनीकी कार्य समय से पहले पूरा होने पर विद्युत आपूर्ति निर्धारित समय से पूर्व भी बहाल की जा सकती है।

वीबी जी राम जी योजना से अब गांव में ही मिलेगा ज्यादा काम, बढ़ेगी आमदनी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार, बेहतर आय और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा लागू की गई विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) – VB-G RAM G योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। इस योजना के तहत अब पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी मिलेगी। साथ ही, देश के किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 से कम नहीं होगी, जबकि राष्ट्रीय औसत मजदूरी बढ़कर लगभग 327 प्रतिदिन हो गई है।

सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के ग्राम महागांव जदीद निवासी श्रीमती कृष्णा कीर कहती हैं कि पहले रोजगार के केवल 100 दिन मिलते थे, लेकिन अब 125 दिनों तक काम मिलने से परिवार की आय में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत बनेगी।

श्रीमती कृष्णा कीर ने कहा, यह योजना हम जैसे ग्रामीण और मजदूर परिवारों के लिए बहुत लाभकारी है। अब गांव के आसपास ही ज्यादा दिनों तक काम मिलेगा, जिससे बाहर मजदूरी के लिए कम जाना पड़ेगा। रोजाना कम से कम 300 रुपये की मजदूरी मिलने से परिवार का खर्च चलाना आसान होगा और बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य जरूरतें भी बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का हृदय से धन्यवाद देती हूं। नई योजना में केवल रोजगार के दिनों में ही वृद्धि नहीं की गई है, बल्कि ग्रामीण विकास को भी नई दिशा दी गई है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण, तालाबों और खेत-तालाबों का निर्माण, वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण सड़क एवं आधारभूत संरचना का विकास, कृषि उत्पादकता बढ़ाने वाले कार्य, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा महिलाओं की भागीदारी को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही समय पर रोजगार उपलब्ध कराने, निर्धारित अवधि में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने तथा कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भी प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। पहले से बने जॉब कार्ड भी मान्य रहेंगे, जिससे श्रमिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। महागांव जदीद की कृष्णा कीर जैसी हजारों ग्रामीण महिलाओं और श्रमिक परिवारों के लिए ड्क्क्त्त ऋरू त केवल एक रोजगार योजना नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत है। यह योजना विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने के साथ ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

कन्नौद-खातेगांव में आबकारी की बड़ी कार्रवाई, 4.83 लाख की अवैध शराब व 4500 किलो महुआ लाहन जब्त

70 लीटर कच्ची शराब, 210 पाव देसी मदिरा और 24 बीयर बरामद, 8 प्रकरण दर्ज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, विक्रय और परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में शनिवार को कन्नौद एवं खातेगांव क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 लाख 83 हजार रुपये मूल्य की अवैध मदिरा एवं महुआ लाहन जब्त किया। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत 8 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार के नेतृत्व में आबकारी दल ने कन्नौद, खातेगांव, दीपगांव, नेमावर और बाईजेगवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर गश्त एवं दबिश देकर कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान 70 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा, 210 पाव देसी मदिरा, 24 बीयर तथा 4500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। विभाग के अनुसार जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य 4 लाख 83 हजार रुपये है। जब्त सामग्री को नियमानुसार कब्जे में लेकर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, पूजा गहलोत, राजश्री खन्ना, योगेंद्र सिंह, रोहित मुकाती, गोकुल प्रसाद मेघवाल, राजाराम रैकवार और दीपक धुरिया सहित मुख्य आरक्षक राजेश जोशी, अरविंद जिनवाल, विकास गौतम, दीपक तटवाड़े, गोविंद, शंकरलाल परते, सुरेंद्र वर्षी तथा आरक्षक निहाल खत्री, गीतेश पंडाग्रे, सनत ओझा और निकिता परमार शामिल रहे।

आबकारी विभाग ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।यदि चाहें तो इसे दैनिक भास्कर शैली में और अधिक आकर्षक तथा पहले पैराग्राफ में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य उभारकर भी तैयार कर सकता हूँ।

तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सीहोर श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय में 11 से 13 जुलाई तक आयोजित होने वाले सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, न्याय केवल न्यायालयों में नहीं मिलता अनेक बार वह समाज के भीतर संवाद विश्वास और सहभागिता से भी स्थापित होता है। यदि प्रत्येक समुदाय में प्रशिक्षित मध्यस्थ उपलब्ध हो तो अनेक विवाद प्रारंभिक स्तर पर ही शांतिपूर्वक सुलझाये जा सकते है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल तकनीकी जानकारी देना नहीं है, बल्कि ऐसी दृष्टि विकसित करना है जो विवाद को संघर्ष नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग का अवसर समझें। यह प्रशिक्षण केवल ज्ञान अर्जित करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक उत्तरदायित्व स्वीकार करने का अवसर भी है।

प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि विवादों का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान करने के उ?द्देश्य से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम की पहल से अवगत कराते हुये कहा कि म.प्र. में सर्वप्रथम यह पहल की गई है।

खेत में गिरा मौसम विभाग का उपकरण, लोगों में मची खलबली

पहली बार मशीन देख लगाए कई कयास, किसान ने पुलिस को सौंपा उपकरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम मदाना में रविवार को अपने खेत पर काम कर रहे एक किसान को एक उपकरण मिला। जिसे देख वहां लोगों में खलबली मच गई। कोई इसे ड्रोन बता रहा था तो कोई खोजी मशीन कह रहा था। जब कुछ समझ नहीं आया तो किसान ने उस मशीन को पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

घटना दोपहर करीब 2 बजे की है जब मौसम विभाग की एक मशीन (सर्वेक्षण उपकरण) शनिवार को खराबी आने की वजह से मदाना के रहने वाले कुमेरसिंह के खेत में आ गिरी। जिसे देखकर कुछ देर के लिए पूरे इलाके में खलबली मच गई। जानकारी के मुताबिक यह मशीन मौसम की जानकारी और आंकड़े इकट्ठा करने के लिए आसमान में छोड़ी गई थी। उड़ते समय इसमें कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इसका बैलेंस बिगड़ गया और यह सीधे खेत में आ गिरी। शुरुआत में तो गांव के लोगों ने इसे कोई ड्रोन समझा। चूंकि गांव में ऐसी चीज पहली बार गिरी थी, इसलिए इसे देखने के लिए खेत पर भारी भीड़ जमा हो गई। खेत पर मौजूद किसान कुमेर सिंह के परिवार ने इस मशीन को सुरक्षित अपने पास रखा। इसके बाद उनके बेटे शैलेंद्र प्रताप सिंह सिसोदिया और दोस्त जितेंद्र सिंह सिसोदिया ने जिम्मेदारी दिखाते हुए मशीन को तुरंत सलसलाई थाने ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मशीन को संभाल कर रख लिया है। थाने के प्रधान आरक्षक गोविंद सिसोदिया ने बताया कि यह मशीन भोपाल मौसम विभाग की है, जिसे मौसम की जांच के लिए आसमान में छोड़ा जाता है। जिसमें तकनीकी खराबी या बैटरी खत्म होने की वजह से यह इस इलाके में गिर गई। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे 10 से 15 यंत्र एक साथ हवा में छोड़े जाते हैं। पुलिस ने मौसम विभाग को इस बात की खबर दे दी है। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे दो-चार दिन में आकर अपनी मशीन ले जाएंगे। पुलिस ने साफ किया है कि नियमों के मुताबिक इस मशीन को विभाग के अफसरों को सौंप दिया जाएगा।

सुनेरा पुलिस ने ढूंढ निकाले 1.20 लाख रू. मूल्य के मोबाइल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन, एएसपी घनश्याम मालवीय एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शाजापुर अजयकुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना सुनेरा पुलिस द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोनों की तलाश हेतु लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी अभियान के अंतर्गत थाना सुनेरा पुलिस ने केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल एवं तकनीकी विश्लेषण की सहायता से विभिन्न स्थानों से 08 गुमशुदा मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए, जिनकी अनुमानित कुल कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार है। प्राप्त शिकायतों पर थाना सुनेरा पुलिस द्वारा निरंतर तकनीकी प्रयास एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए गुमशुदा मोबाइल फोनों को ट्रेस कर बरामद किए गए। जिन्हें जरूरी कार्रवाई के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए गए। अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिलने पर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शाजापुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य में सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती, प्रधान आरक्षक रविन्द्र राय, प्रधान आरक्षक सुधीर यादव, आरक्षक गोविन्द चन्द्रवंशी, आरक्षक अरुण यादव, आरक्षक राहुल वर्मा, आरक्षक अखिलेश भंडारी, साइबर सेल आरक्षक घनश्याम एवं आरक्षक रोहित की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने की लोगों से अपील सावधानी बरतें- पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। किसी भी साइबर अपराध की सूचना तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। किसी भी अज्ञात लिंक, काल, ओटीपी या संदिग्ध संदेश पर विश्वास न करें तथा अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर सुरक्षा संबंधी किसी भी सहायता के लिए अपने निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर सेल से संपर्क करें।

विधायक ने सुनी लोगों की समस्या, किया त्वरित निराकरण

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक कार्यालय पर रविवार को विधायक अरूण भीमावद ने लोगों की समस्याएं सुनी और कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर दिया। जो समस्याएं विभागीय स्तर की थी उनके निराकरण के निर्देश भी विधायक द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

दरअसल विधायक अरूण भीमावद लंबे समय से विधानसभा के आवश्यक कार्यों के चलते लोगों से मिल नहीं पा रहे थे। जिसके चलते उनका लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा था। रविवार को वे विधायक कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई का आयोजन किया ताकि उनका लोगों से मिलना भी हो जाए और उनकी समस्या का भी समाधान किया जा सके। जिसके चलते उन्होंने विधानसभा वासियों से मिलने का समय निर्धारित किया। जिसकी सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने पहुंचे। कई लोगों ने अपनी समस्या बताई जिनका विधायक ने त्वरित निराकरण भी किया। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों ने अपनी समस्याएं विधायक के सामने रखी जिनमें से कई समस्याओं का विधायक अरूण भीमावद ने मौके पर ही निराकरण किया और संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देशित किया।

आलोट के सांदीपनी स्कूल के प्राचार्य के स्थानांतरण की मांग: प्राचार्य पर छात्रों से भेदभाव और मनमानी नियुक्ति का लगा आरोप

एसडीएम ने दिए जांच के आदेश

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रतिष्ठित सांदीपनी विद्यालय आलोट में प्राचार्य फिरोज खान पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन्हें स्थानांतरित कर नये प्राचार्य की मांग की गई है,स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा की गई शिकायतों के बाद अब प्रशासनिक स्तर पर मामले ने तूल पकड़ लिया है। जिला पंचायत और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला- भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह डोडिया ने कलेक्टर महोदय को पत्र लिखकर प्राचार्य फिरोज खान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्राचार्य द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। साथ ही, उन पर नियमों को ताक पर रखकर अपनी मर्जी से स्थाई और अस्थाई स्टाफ की नियुक्ति करने का भी आरोप है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्राचार्य द्वारा रखे गए स्टाफ का व्यवहार भी छात्रों के प्रति ठीक नहीं है, जिसके कारण विद्यालय में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है।

प्रशासन की सख्ती, 3 दिन में मांगा प्रतिवेदन-इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कार्यवाही शुरू हो गई है-

जिला पंचायत का पत्र- मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय जिला पंचायत, रतलाम ने पत्र क्रमांक 3005/जिपं./स्था./2026 दिनांक 26.05.2026 के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आलोट को एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे।

एसडीएम की कार्यवाही- जिला पंचायत के निर्देश के अनुक्रम में एसडीएम (राजस्व) आलोट ने कार्यालय पत्र क्रमांक 830/रीडर-1/2026 दिनांक 03/06/2026 के जरिए विकासखंड शिक्षाधिकारी आलोट को निर्देशित किया है।

समय-सीमा- एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के सभी बिंदुओं पर नियमानुसार जांच की जाए और अपना स्पष्ट अभिमत सहित प्रतिवेदन आगामी 03 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

छात्रों के भविष्य पर सवाल- सांदीपनी विद्यालय में उत्पन्न इस विवाद से पालकों में चिंता का माहौल है। विद्यालय जैसे शैक्षणिक संस्थान में भेदभाव और मनमानी नियुक्तियों के आरोपों ने व्यवस्था पर कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह है कि बीईओ द्वारा की जाने वाली जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और प्रशासन प्राचार्य पर क्या कार्यवाही करता है।

26 जुलाई को उज्जैन के नयापुरा में होगा पूज्य संतों एवं साध्वीवृंद का मंगल प्रवेश

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमण संघ के आचार्य श्री डॉ. शिवमुनि जी महाराज साहब की आज्ञानुवर्ती संत परंपरा के अंतर्गत संत प्रवर्तक श्री रमेश मुनि जी महाराज साहब के शिष्य प्रवर्तक श्री विजय मुनि जी महाराज साहब, उपप्रवर्तक श्री चन्द्रेश मुनि जी महाराज साहब एवं सेवाभावी श्री जिनेन्द्र मुनि जी महाराज साहब वर्तमान में नागदा के महावीर भवन स्थानक में विराजित हैं। यहां श्रद्धालु प्रतिदिन उनके प्रवचन, धर्मचर्चा एवं दर्शन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पूज्य संतों का नागदा से उज्जैन की ओर मंगल विहार निर्धारित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जुलाई को उज्जैन शहर के नयापुरा क्षेत्र में उनका भव्य मंगल प्रवेश होगा। संतों के आगमन को लेकर उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रावक-श्राविकाओं में उत्साह का वातावरण है तथा तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। इसी अवसर पर अरिहन्त आराधिका डॉ. श्री विजयश्री जी म.सा. (सुमन) आदि ठाणा का भी नयापुरा, उज्जैन में मंगल प्रवेश होगा। संत एवं साध्वीवृंद के पावन सान्निध्य में धर्मसभा, प्रवचन, आराधना तथा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त करेंगे। सकल जैन समाज ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पूज्य संतों एवं साध्वीवृंद के मंगल प्रवेश का लाभ लेने का आग्रह किया है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा किशोर स्वास्थ्य के प्रति जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम सीहोर जिला अस्पताल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समुदाय में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

जिला अस्पताल में ढ्ढक्र के सहयोग से प्रचार प्रसार के लिए सारथी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही रैली के माध्यम से आमजन को विवाह के बाद प्रथम संतान में उचित अंतराल रखने, दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखने, प्रसवोत्तर एवं गर्भपातोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ लेने, पुरुषों की परिवार नियोजन में सहभागिता बढ़ाने तथा दीर्घकालिक एवं अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन संबंधी सेवाओं की जानकारी दी गई।सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा किशोर स्वास्थ्य के प्रति जनजागरुकता के लिए जिले में 11 से 18 जुलाई तक अभियान का चलाया जा रहा है।

धार्मिक गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचा रहे मीडिया प्रभारी नितीन जैन (बुड़ावनवाला)

श्री स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की समाचार व्यवस्था को वर्षों से दे रहे हैं सशक्त पहचान

नागदा/ सुनिल सकलेचा, अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी भी सामाजिक एवं धार्मिक संस्था की गतिविधियों को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी दायित्व का समर्पण, निष्ठा एवं सक्रियता के साथ निर्वहन करते हुए श्री स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, नागदा के मीडिया प्रभारी नितीन जैन (बुड़ावनवाला) पिछले कई वर्षों से संघ की धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को समाचार-पत्रों, समाचार पोर्टलों तथा डिजिटल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

नितीन जैन (बुड़ावनवाला) द्वारा संघ में आयोजित प्रवचनमालाओं, चातुर्मास, तप-अनुष्ठानों, दीक्षा महोत्सवों, गुरु भगवंतों के मंगल प्रवेश, धर्म सभाओं, युवक-युवती एवं महिला मंडल की गतिविधियों, सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रमों सहित संघ के प्रत्येक महत्वपूर्ण आयोजन की समाचार सामग्री समयबद्ध, तथ्यपूर्ण एवं प्रभावी शैली में तैयार कर विभिन्न मीडिया संस्थानों तक पहुँचाई जाती है। उनकी निरंतर सक्रियता के कारण संघ की अधिकांश गतिविधियाँ क्षेत्रीय एवं प्रादेशिक समाचार-पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित होती रही हैं।

उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सभी गच्छों के पूज्य साधु-साध्वियों के प्रवचन, चातुर्मास, तप, धर्म प्रभावना एवं अन्य आध्यात्मिक आयोजनों को समान महत्व देते हुए उनकी खबरों को भी व्यापक प्रचार-प्रसार दिलाने का सतत प्रयास करते हैं। इससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक धार्मिक संदेश पहुँच रहा है तथा युवाओं में भी धर्म के प्रति आस्था, संस्कार एवं जागरूकता का विस्तार हो रहा है।

समाचार संकलन, लेखन, फोटो चयन, तथ्यों की शुद्धता तथा समय पर मीडिया तक समाचार पहुँचाने में उनकी सजगता और कार्यकुशलता उल्लेखनीय मानी जाती है। यही कारण है कि उनके द्वारा तैयार की गई समाचार सामग्री को विभिन्न समाचार-पत्रों एवं डिजिटल मंचों पर नियमित स्थान मिलता है, जिससे संघ की धार्मिक गतिविधियों को व्यापक पहचान मिल रही है।

संघ के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने नितीन जैन (बुड़ावनवाला) की सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मीडिया प्रभारी के दायित्व को केवल औपचारिक जिम्मेदारी न मानकर धर्म प्रभावना का प्रभावी माध्यम बनाया है। वर्षों से वे निस्वार्थ भाव, समर्पण और पूरी जिम्मेदारी के साथ संघ एवं धर्म की गतिविधियों को समाज तक पहुँचा रहे हैं। उनकी सेवाएँ वास्तव में अनुमोदनीय, प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय हैं।

संघ ने उनके कार्यों की भूरि-भूरि अनुमोदना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी उनके अनुभव, सक्रियता एवं सेवाभाव से श्री स्थानकवासी जैन श्रावक संघ की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक व्यापक पहचान मिलेगी। साथ ही, उनके द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य समाज के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा और धर्म प्रभावना का यह अभियान निरंतर नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में गुप्त नवरात्रि का आरंभ 15 जुलाई से

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि का आरंभ 15 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग के महासंयोग में होगा गुप्त नवरात्र में माता का विशेष श्रृंगार होगा पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इन नौ दिनों में साधक तंत्र, मंत्र, यंत्र, सिद्धि की आराधना करेंगे पुराण में वर्ष में चार नवरात्रि की मान्यता है इसमें दो प्राकट्य और दो गुप्त नवरात्रि मानी गई है इस गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा नाव पर सवार होके आ रही है जो की इस वर्ष सुख ,समृद्धि और उत्तम वर्षा का योग है आने वाले सभी मांगलिक कार्यों में सिद्धि का शुभ प्रतीक माना जा रहा है गुप्त नवरात्र में 9 दिनों तक दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होगी । जानकारी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

कलेक्टर मिशा सिंह ने लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर नौ राजस्व अधिकारियों पर लगाया 9 हजार 500 का अर्थदण्ड

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010 के तहत समयसीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने के मामले में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने नौ राजस्व अधिकारियों पर कुल 9,500 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा बड़ावदा, तहसीलदार सैलाना, तहसीलदार रावटी, न्यायालय नायब तहसीलदार रतलाम शहर (पश्चिम भाग), तहसीलदार जावरा, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा ढोढर, न्यायालय नायब तहसीलदार आलोट, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा शिवगढ़ तथा न्यायालय नायब तहसीलदार पिपलौदा के कुल 38 प्रकरण निर्धारित समयसीमा से बाहर पाए गए। समयसीमा में आवेदनों का निराकरण नहीं होने के कारण आवेदकों को सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो सकीं, जो अधिनियम का उल्लंघन है।

अधिनियम की धारा 7(1)(क) के तहत न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा बड़ावदा श्री भगवान सिंह ठाकुर पर 04 लंबित प्रकरणों के लिए 1000 रुपये, तहसीलदार सैलाना श्री कुलभूषण शर्मा पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये, तहसीलदार रावटी श्रीमती वंदना किराडे पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार रतलाम शहर (पश्चिम भाग) श्री ऋषभ ठाकुर पर 04 लंबित प्रकरणों के लिए 1000 रुपये, तहसीलदार जावरा श्री सहदेव मौरे पर 20 लंबित प्रकरणों के लिए 5000 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा ढोढर श्री वैभव जैन पर 03 लंबित प्रकरणों के लिए 750 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार आलोट श्री पंकज पवैया पर 02 लंबित प्रकरणों के लिए 500 रुपये, न्यायालय नायब तहसीलदार टप्पा शिवगढ़ श्री रामकलेश साकेत पर 02 लंबित प्रकरणों के लिए 500 रुपये तथा न्यायालय नायब तहसीलदार पिपलौदा श्रीमती श्रद्धा त्रिवेदी पर 01 लंबित प्रकरण के लिए 250 रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया है।

लाड़ली बहनों को मिलेगी 38वीं किश्त की सौगात

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को जिला भिंड के लहार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में %मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना÷ के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से अधिक बहनों के खातों में सिंगल क्लिक से 1835 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सीधा अंतरण करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार की इस अत्यंत लोकप्रिय योजना के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं को योजना की शुरुआत से अब तक की 38वीं नियमित मासिक किश्त का भुगतान किया जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा माह नवंबर 2025 से इस मासिक आर्थिक सहायता राशि में 250 रुपये की बढ़ोतरी किए जाने के बाद से सभी पात्र हितग्राही महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की निरंतर वित्तीय सहायता मिल रही है। योजना की शुरुआत यानी जून 2023 से लेकर जून 2026 तक सरकार द्वारा कुल 37 किश्तों का नियमित अंतरण सफलता पूर्वक किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 238.96 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुके 40 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। साथ ही, क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 83.33 करोड़ की लागत वाली 16 नई लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं का भूमि-पूजन और शिलान्यास भी किया जाएगा।

प्लास्टिक मुक्त रैली का आयोजन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 21 एमपी बी. एन. बटालियन रतलाम द्वारा दिए गए निर्देशानुसार एनसीसी ग्रुप के द्वारा पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त देश, प्रदेश बनाने का आह्वान करते हुए आज बदनावर के प्रमुख मार्गो में रैली निकाली गई कैडेट्स के द्वारा बनाए गए कागज के बैग कपड़े की थैलियां जो उन्होंने स्वयं निर्मित की थी और आज दुकानदारों को वितरित की कई नागरिकों को भी वितरित करते हैं उनसे आह्वान किया कि आप प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करें और नागार्य करें और उन्हें कपड़े की थैली कागज के बैग उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया । केयर टेकर ऑफिसर शुभम उपाध्याय के मार्गदर्शन में 12 जुलाई 2026 को पेपर बैग दिवस मनाया जाने के उपलक्ष में आज एक दिन पूर्व लोगों को प्लास्टिक बैग का उपयोग न करने, कागज या कपड़े के बैंग का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। एनसीसी कैडेट्स के हाथों में प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्लास्टिक के दुष्परिणामों को अवगत कराते हुए पोस्टर्स बैनर्स भी थे। शहर बाजार में दुकानों पर एनसीसी कैडेट द्वारा व्यापारियों को अपने हाथों से बनाये गये कागज के बैग और कपड़े की थैलियां भी सांकेतिक रूप में प्रदान की गई । और उनसे निवेदन किया गया कि आप दुकानों पर कागज के बैग और कपड़े की थैलियां का उपयोग करें। या ग्राहकों को कपड़े की थैली लेकर आने के लिए जागृत करें। रैली में कैडेट्स के साथ सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य रियाजउद्दीन शेख, क्रीड़ा शिक्षक श्री नरेंद्र चौहान, ज्योत्सना डावर, शिक्षक अंकित जैन ,वैभव चौरड़िया , शुभम बारेट और प्रदीप पांडेय,महेश चौहान भी थे।

कांग्रेस को मिला मजबूत नेतृत्व, एडवोकेट शैलेन्द्र परमार बने जिला उपाध्यक्ष

नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह, युवाओं को मिला नई ऊर्जा का संदेश

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भाटपचलाना निवासी एवं कांग्रेस के समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता एडवोकेट शैलेन्द्र परमार को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उज्जैन जिला कांग्रेस (अजा विभाग) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति जिला अध्यक्ष (अजा विभाग) दिनेश बौद्ध की अनुशंसा तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं तराना विधायक महेश परमार की सहमति से, प्रदेश नेतृत्व द्वारा अनुमोदित की गई है।

इस नियुक्ति से पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एवं मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की। विशेष रूप से युवाओं में इस निर्णय को लेकर नई ऊर्जा और जोश देखने को मिला, जो संगठन की मजबूती का संकेत है।

एडवोकेट शैलेन्द्र परमार का परिवार लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ा रहा है। उनके दादाजी स्वर्गीय कनीराम परमार भी कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए शैलेन्द्र परमार ने संगठन में सक्रिय भूमिका निभाकर अपनी अलग पहचान बनाई है।

नव-नियुक्त जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र परमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा ईमानदार और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का काम करती है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे वे पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सतत कार्य करेंगे।

उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जितू पटवारी, अजा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, जिला अध्यक्ष महेश परमार एवं दिनेश बौद्ध सहित सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

खाचरोद जेल से फरार बलात्कार के खुंखार कैदी को खारवा चौकी थाना ताल पुलिस ने किया गिरफ्तार

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 25.12.2025 को खाचरोद जेल से तीन विचाराधीन कैदी गोपाल पिता बापूलाल कीर, गोविंदराम पिता आशाराम एवं नारायण पिता भेरुलाल जाट फरार हो गये, जिनके विरुद्ध थाना खाचरोद पर अपराध क्रमांक 529/25 धारा 262 बीएनएस के अंतर्गत पंजीबद्ध किया गया । उक्त प्रकरण में फरार आरोपीगणों की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला उज्जैन के द्वारा 5000 रुपये की ईनाम उद्घोषणा भी जारी की गई ।

उक्त घटना में फरार आरोपीगणों की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अमित कुमार (भा.पु.से.) द्वारा श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय(ग्रामीण) श्री विवेक कुमार लाल के निर्देशन में जिले के समस्त थानों की टीमों को लगाया गया था । उक्त निर्देशों के पालन में श्रीमान एसडीओपी महोदय आलोट श्रीमति पल्लवी गौड़ के मार्गदर्शन में आज दिनांक 11.07.2026 को खारवा चौकी थाना ताल की पुलिस टीम को फरार आरोपी गोपाल पिता बापूलाल कीर को अवैध हथियार के साथ चौकी क्षेत्र के दौलतगंज के पास मंडावल रोड़ पर घुमते हुए पाये जाने की मुखबीर सूचना मिली जिसपर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम के द्वारा आरोपी गोपाल पिता बापूलाल कीर को अवैध धारदार तलवार के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके विरुद्ध थाना ताल पर अपराध क्रमांक 350/2026 धारा 25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत पंजीबद्ध किया गया ।

गिरफ्तार आरोपी का नाम-01... गोपाल पिता बापूलाल कीर उम्र 23 साल निवासी ग्राम मालाखेड़ी थाना खाचरोद जिला उज्जैन म.प्र.

जप्त मश्रुका- एक लोहे की धारदार तलवार

मूल प्रकरण जिसमें खाचरोद जेल में बंद था- अपराध क्रमांक 291/2024 धारा 363, 323, 294, 506, 336ए, 376(2) भादवि एवं 5/6 पॉक्सो एक्ट

विशेष योगदान- आरोपी की गिरफ्तारी में निरी. स्वराज डाबी, प्र.आर. 116 निकोलस लकड़ा, आर. 1158 देवेन्द्र कायस्थ, आर. 1184 निलेश शर्मा, आर. 445 निलेश सक्सेना एवं आर. 1038 हरिशंकर का उल्लेखनीय योगदान रहा ।

बोल बम मित्र मंडल द्वारा कावड़ यात्रा को लेकर बैठक संपन्न

8 अगस्त को निकलेगी विशाल कावड़ यात्रा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बोलबम मित्र मंडल द्वारा अपने 10 वें वर्ष में इस बार भी विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन दिनांक 8 अगस्त 2026, शनिवार को किया जा रहा है, जिसकी तैयारियों को लेकर संस्था की एक बैठक संस्था प्रमुख विकास राधेश्याम जोशी की उपस्थिति में रखी गयी जिसमे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये ।

बैठक के दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष प्रिंस चौहान, उपाध्यक्ष दिलीप केवट, मीडिया प्रभारी मंत्र भावसार नियुक्त किये गये । साथ ही कावड़ यात्रा को विस्तृत रुप प्रदान पर विधिवत चर्चा की गई जिसमें इस वर्ष यात्रा में पूर्व राज्यमंत्री पं. योगेन्द्र महतं, महामंडलेश्वर अनिलानंद जी महाराज, 108 आनंदगिरीजी महाराज सहित अन्य संत महात्माओं के शामिल होने संबंधित जानकारी दी गई । इस वर्ष भी यात्रा में डीजे, ढोल, बेण्ड, कड़ाबिन सहित अघोरी टीम शामिल रहेगी साथ ही कावड़ यात्रा में भाग लेने वाली महिलाओं को निःशुल्क साड़ी व पुरुषों को टी-शर्ट व कलश प्रदान किये जायेंगे साथ ही वापसी में कावड़ यात्रियों को उज्जैन से बड़नगर तक लाने की संपूर्ण व्यवस्ता संस्था द्वारा की गई है । यात्रा स्थानीय श्री बुद्धेश्वर महादेव से प्रारम्भ होगी जोकि नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मौलाना, खरसौद खुर्द, सरहाना होते हुए इंगोरिया पहुंचेगी जहां पर रात्रि विश्राम, भजन-भोजन के पश्चात् प्रातःकाल उज्जैन महाकाल के लिये रवाना होगी। यात्रा को सफल बनाने की अपील हर्ष चौहान, चिनू टांक, मोहित देवड़ा, पवन सोनी, पीयुष राजावत, राजू, मयंक परमार, सुमित प्रजापत आदि ने की है ।

बड़नगर में 'भूमाफिया राज'! करोड़ों की शासकीय जमीन पर कब्जा, राजस्व विभाग बना मूकदर्शक

32 बीघा सरकारी भूमि पर सालों से सोयाबीन की खेती, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई शून्य — मिलीभगत के आरोप तेज

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बड़नगर तहसील में शासकीय जमीन पर कब्जों का खेल अब खुलकर सामने आ रहा है, जहां भूमाफिया खुलेआम सरकारी जमीन पर खेती कर रहे हैं और राजस्व विभाग तमाशबीन बना बैठा है। हालात ऐसे हैं कि करोड़ों की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं।

ताजा मामला ग्राम भाटपचलाना का है, जहां बनबनी रोड स्थित सर्वे नंबर 1776, रकबा 6.42 हेक्टेयर (करीब 32 बीघा) शासकीय भूमि पर गांव के ही एक दबंग व्यक्ति राजेंद्र सिंह द्वारा वर्षों से अवैध कब्जा कर खेती की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस जमीन पर हर साल सोयाबीन की फसल उगाकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है, जबकि यह भूमि सामुदायिक एवं राष्ट्रीय प्रयोजनों के लिए आरक्षित है और इसका स्पष्ट उल्लेख खसरे में दर्ज है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर कब्जा होने के बावजूद राजस्व विभाग अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर पाया? क्या विभाग की नाक के नीचे यह पूरा खेल चल रहा है, या फिर इसमें अंदरखाने कोई साठगांठ है?

गांव के पूर्व सरपंच कन्हैयालाल मोंगिया ने इस मामले की शिकायत 181 पर दर्ज करवाई, साथ ही अधिकारियों को भी अवगत कराया, लेकिन नतीजा वही – जीरो बटा सन्नाटा। शिकायतें फाइलों में दबी रह गईं और भूमाफिया बेखौफ होकर सरकारी जमीन पर फसल उगाते रहे।

यह स्थिति न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि किस तरह से भूमाफिया और जिम्मेदार तंत्र के बीच सांठगांठ के आरोप अब जोर पकड़ने लगे हैं। आखिर किसके संरक्षण में यह कब्जा बरकरार है? क्यों नहीं हटाया जा रहा यह अतिक्रमण?

करोड़ों की शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा और उस पर खुलेआम खेती – यह सिर्फ एक मामला नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर बड़ा सवालिया निशान है। अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला बड़े जनआक्रोश का रूप ले सकता है।

अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं

क्या भूमाफियाओं पर चलेगा बुलडोजर?

क्या राजस्व अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे?

या फिर यूं ही सरकारी जमीन पर कब्जा कर मलाई खाते रहेंगे दबंग?

बड़नगर में गूंज रहा है एक ही सवाल –

सरकारी जमीन पर कब्जाज और जिम्मेदार आखिर खामोश क्यों?

प्यासा रहा उज्जैन.. सुबह नलों में नहीं आई बूंद, हैंडपंप और बोरिंग बने सहारा

गंभीर इंटेकवेल और मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत के लिए पूरे शहर में जलापूर्ति रही बंद

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा गंभीर इंटेकवेल और मुख्य राइजिंग मेन पाइपलाइन की मरम्मत के लिए शनिवार को घोषित वॉटर शटडाउन का असर पूरे शहर में साफ दिखाई दिया। शनिवार सुबह से ही शहर के अधिकांश इलाकों में नलों से एक बूंद पानी नहीं आया। इससे हजारों परिवारों को दिनभर पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। जिन लोगों ने पहले से पानी का संग्रह नहीं किया था, उन्हें पीने के पानी के लिए हैंडपंप चलाने पड़े, जबकि कई परिवारों ने निजी बोरिंग का सहारा लिया।

शहर के कई मोहल्लों में शनिवार को सुबह से ही लोग पानी की व्यवस्था करने में जुटे रहे। कहीं हैंडपंपों पर कतारें लगीं तो कहीं पड़ोसियों के बोरिंग से पानी भरते लोग नजर आए। महिलाओं और बच्चों को बाल्टियां और डिब्बे लेकर पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ा। दिनभर लोगों की सबसे बड़ी चिंता पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था करना रही। नगर निगम के जलकार्य विभाग के अनुसार गंभीर डेम स्थित इंटेकवेल पर लगी मुख्य एचटी मोटर पंपों की रिपेयरिंग और रखरखाव का कार्य किया गया। इसके साथ ही शहर तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य राइजिंग मेन पाइपलाइन में लीकेज सहित अन्य तकनीकी खामियों को भी दूर किया गया। निगम का कहना है कि भविष्य में जलापूर्ति को अधिक सुचारु और बाधारहित बनाने के उद्देश्य से यह वॉटर शटडाउन लिया गया। हालांकि निगम ने पहले ही जलापूर्ति बंद रहने की सूचना जारी कर नागरिकों से पानी का पर्याप्त भंडारण करने की अपील की थी, लेकिन बड़ी संख्या में लोग पर्याप्त पानी संग्रह नहीं कर पाए। इसका खामियाजा उन्हें पूरे दिन उठाना पड़ा। शहरवासियों का कहना है कि मरम्मत कार्य जरूरी है, लेकिन ऐसे शटडाउन के दौरान वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था भी की जानी चाहिए, ताकि लोगों को हैंडपंप और बोरिंग पर निर्भर न रहना पड़े। कई रहवासियों ने मांग की कि भविष्य में जलापूर्ति बंद रहने वाले क्षेत्रों में पानी के टैंकर भेजे जाएं, जिससे आमजन को राहत मिल सके।

पीएचई के अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद नियमित जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

विश्व जनसंख्या दिवसः बढ़ती आबादी पर नियंत्रण के लिए निकाली जन जागृति रैली

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल के निर्देशन एवं प्रमुख विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजेंद्र अजनार के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा एक विशाल जन जागृति रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूक करना और परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी देना था।

रैली का शुभारंभ डॉ. विजय मालवीय एवं डॉ. गुलाम नबी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह रैली फार्मासिस्ट कन्हैया लाल वर्फ़ा के संचालन में नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी।

रैली को संबोधित करते हुए डॉ. सुयश श्रीवास्तव ने कहा, ÷आज हमारा देश जनसंख्या के मामले में विश्व के सभी देशों को पीछे छोड़ चुका है। हमारे पास दुनिया की जमीन का सिर्फ 2.4 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि आबादी विश्व की 17.5 प्रतिशत है। इस असंतुलन के कारण हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपील की कि लड़की की शादी की उम्र कम से कम 19 वर्ष करें। साथ ही उन्होंने बताया कि बच्चों में सुरक्षित अंतराल रखने के लिए शासकीय अस्पतालों में कॉपर टी, खाने वाली गोली और अंतरा इंजेक्शन जैसे कई साधन निशुल्क उपलब्ध हैं।

रैली को प्रभारी बी.ई.ई. दिनेश कुमार पंचोली ने भी संबोधित किया। इस जागरूकता अभियान में जगदीशचंद्र परमार (सैक्टर सुपरवाइजर, लोहाना), समस्त आशा सुपरवाइजर, क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता और आउटसोर्स कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने काफी सराहा।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को गति देने रेलवे एवं प्रशासन की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न

निर्माण कार्यों के समन्वय पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज रेलवे विभाग एवं प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक कलेक्टर कार्यालय के प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित की गई। बैठक में सिंहस्थ-2028 से संबंधित रेलवे एवं अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने तथा कार्यों में आने वाली बाधाओं के निराकरण हेतु आवश्यक निर्णय लिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह,रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री पीयूष पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप सोनी सहित, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, एम पी ई बी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में रेलवे निर्माण कार्यों के दौरान नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग के कार्यों के समन्वय पर विभागवार चर्चा की गई। रेलवे स्टेशन को राज्य शासन द्वारा विकसित की जा रही सड़क से जोड़ने, रेलवे स्टेशन पर जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में रेलवे ट्रैक के समीप संचालित निर्माण कार्यों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फेसिंग (सुरक्षा बैरिकेडिंग) लगाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त रेलवे लाइन के ऊपर एवं नीचे प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) तथा रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 की समयबद्ध तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करें।

दो मार्गो पर हुई दुर्घटना में दो लोगों की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो मार्गों पर हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मामलों में दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन अज्ञात होना बताए जा रहे हैं। शनिवार सुबह दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस वाहनों का पता लगाने के लिए कैमरों के फुटेज देख रही है।

पहली सड़क दुर्घटना भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के उन्हेल मार्ग स्थित सारीबारी मोड़ पर हुई। शाम 5 बजे के लगभग तेज गति से चार पहिया वाहन ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल स्कूटी सवार सड़क पर पड़ा था। उसी दौरान मौके से एएसपी आलोक शर्मा का वहां से गुजरना हुआ। उन्होंने घायल को देखा तो अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल की मौत हो गई। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने जानकारी मिलने पर मृतक की पहचान के प्रयास शुरू किए। इस दौरान मृतक अनिल पिता नाथूलाल देपन 38 साल निवासी ग्राम सोड़ंग का रहने वाला सामने आया। परिजन जानकारी मिलने पर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मर्ग कायम किया। इस दौरान घटना स्थल पर जांच के लिए पहुंची पुलिस को पता चला कि चार पहिया वाहन अज्ञात था और उन्हेल की ओर गया है। वहीं परिजनों ने बताया कि अनिल चार बच्चों का पिता था और खेती किसानी का काम करता था। वह खेत से शाम को अपने घर लौट रहा था। दूसरी सड़क दुर्घटना आगर रोड पर रात 10 बजे के लगभग हुई। सायकल सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सायकल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। चिमनगंज थाना पुलिस घटना स्थल आगर रोड स्थित माथुर वैश्य धर्मशाला के सामने गायत्री नगर पहुंची। मृतक की पहचान संतोष पिता मुंशीलाल भिलाला 39 साल निवासी कानीपुरा के रूप में हुई। परिजन सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे। इस दौरान पता चला कि संतोष इलेक्ट्रिक का काम करता था और दो बच्चों का पिता था। वह रात में गायत्री नगर से अपने घर लौटने के लिए सायकल से निकला था। चिमनगंज पुलिस के अनुसार टक्कर मारने वाला वाहन अज्ञात है।

एमबीबीएस सीट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले सिलीगुड़ी से गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एमबीबीएस में सीट दिलाने के नाम पर हुई धोखाधड़ी में शामिल मुख्य आरोपी को पुलिस पश्चिम बंगाल सिलीगुड़ी से गिरफ्तार कर उज्जैन लाई है। आरोपी का साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका था।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि मार्च माह में सतीश चंद्र पटेल निवासी मंच्छामन कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पुत्र के एमबीबीएस प्रवेश के नाम पर एक व्यक्ति ने स्वयं को कटिहार मेडिकल कॉलेज, बिहार का प्राचार्य बताकर संपर्क किया। आरोपी ने कॉलेज में सीट रिक्त होने का झांसा देकर फरियादी से विभिन्न शैक्षणिक एवं पहचान संबंधी दस्तावेज प्राप्त किए तथा सीट बुकिंग के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में दिनांक 15 फरवरी से 17 फरवरी 2026 के मध्य 4,25,000/- ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। राशि प्राप्त करने के बाद आरोपी ने व्हाट्सएप पर एनएमसी पत्र, आवंटन पत्र एवं अन्य कूटरचित दस्तावेज भेजे। बाद में फरियादी जब कटिहार मेडिकल कॉलेज पहुंचे तो वास्तविक प्राचार्य से जानकारी मिली कि उक्त मोबाइल नंबर उनका नहीं है, कॉलेज में कोई सीट रिक्त नहीं थी तथा उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। मामले में प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को दो माह पहले पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया गया था जिससे पूछताछ में मुख्य आरोपी के संबंध में जानकारी मिली थी जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी थे लंबे प्रयास के बाद पुख्ता जानकारी मिलने पर एक टीम सिलीगुड़ी पहुंची थी जहां से धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी सुमन्त्र गुप्ता पिता सैबल गुप्ता, उम्र 45 वर्ष, निवासी सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल को न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर उज्जैन लाया गया है। आरोपी पूर्व में भी देश के कई राज्यों में एडमिशन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर चुका है।

कार से आए बदमाशों ने चुराये एक करोड़ के मोबाइल

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात, दो दुकानों को बनाया निशान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पुलिस कंट्रोल रूम और माधव नगर थाना क्षेत्र से चंद कदमों की दूरी पर शुक्रवार शनिवार रात बदमाशों ने धावा बोला और दो मोबाइल दुकान के शटर उसका कर करीब एक करोड रुपए कीमत के मोबाइल चोरी कर लिए। पुलिस जांच में बदमाश कार से आना सामने आये है। कैमरो की मदद से बदमाशों के भागने वाले रास्तों को ट्रेस किया जा रहा है।

माधवनगर थाना क्षेत्र के फ्रीगंज में शनिवार सुबह हाई चॉइस मोबाइल दुकान संचालक नरेश सितलानी को मॉर्निंग वॉक पर निकले परिचित ने दुकान का शटर खुला होने की सूचना दी नरेश दुकान पर पहुंचे तो नजर देख उनके होश उड़ गए। दुकान में चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी तभी पता चला कि बदमाशों ने उनकी दुकान के साथ ही कुछ दूरी पर एसएस मोबाइल दुकान पर भी वारदात को अंजाम दिया। एसएस मोबाइल दुकान संचालक भी खबर मिलते ही पहुंचा। नरेश सितलानी ने बताया कि बदमाश उनकी दुकान से करीब 45 लाख रुपए कीमत के मोबाइल चुरा कर ले गए। वहीं एसएस मोबाइल दुकान संचालक के यहां से करीब 60 लाख रुपए के मोबाइल और मोबाइल से जुड़ी सामग्री चोरी हुई है। बदमाशों ने कुछ नगदी पर भी हाथ साफ किया है। मोबाइल दुकानों में बड़ी चोरी की वारदात होने पर जांच के लिए फिंगर प्रिंट टीम को बुलाया गया। इस दौरान सामने आया कि बदमाश काफी शातिर थे उन्होंने वारदात को अंजाम देने से पहले हाथों में ग्लव्स पहन रखे थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है बदमाशों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं।

फुटेज में दिखे चार बदमाश- पुलिस द्वारा जांच शुरू कर मोबाइल दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गए। हाई च्वॉईस दुकान के फुटेज देखने पर सामने आया कि बदमाशों की संख्या 4 थी और वे कार से आए थे। एक बदमाश कार में ही बैठा था। तीन बदमाशों ने दुकान का शटर तोड़ा। कुछ देर में ही उन्होंने 40 से 45 लाख के मोबाइल अपने बैग में भरे और बाहर निकल गए। इस दौरान उन्होंने दुकान में लगा कांच का गेट बंद भी किया। वहीं शटर गिराने का प्रयास करते दिखे। शटर नीचे नहीं होने पर दुकान खुली ही छोड़कर चल दिए। वारदात रात 3 बजे के लगभग होना सामने आ रहा है। एसएस मोबाइल दुकान में लगे कैमरे भी पुलिस खंगाल रही है। वहीं एक टीम द्वारा बदमाशों के आने और जाने वाले रास्तों को भी ट्रेस कर कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं। कार का नंबर ट्रेस करने की कोशिश हो रही है। बदमाश बाहरी हो सकते हैं।

एनडीआरएफ द्वारा उज्जैन के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 11वीं बटालियन के श्री मनोज कुमार शर्मा (उप महानिरीक्षक) के दिशा निर्देशन में एक उप-टीम द्वारा गत दिवस उज्जैन के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संदीपनी नगर, में एक दिवसीय 'स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम' (स्स्क) का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम निरीक्षक/जीडी श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में कुल 09 बचावकर्मियों की टीम द्वारा संचालित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र -छात्राओं और शिक्षकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना और आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक कौशल सिखाना था। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण और प्रदर्शन दिया-

आपदा प्रबंधन- आपदा का अर्थ, उसके प्रकार और एनडीआरएफ की भूमिका।

जीवन रक्षक कौशल- सीपीआर, एफबीएओ, रक्तस्राव को नियंत्रित करना, ड्रेसिंग और बैंडेजिंग।

बचाव तकनीक- इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर बनाना, आपातकालीन और गैर-आपातकालीन स्थिति में घायल को ले जाने के तरीके, और फ्लोटिंग डिवाइस का उपयोग।

सुरक्षा जागरूकता- भूकंप ड्रिल, सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार, और आकाशीय बिजली से सुरक्षा।

अग्निशमन- फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक यंत्र) का सही उपयोग।

तकनीकी ज्ञान- दामिनी, फ्लड वॉच और सचेत ऐप्स की जानकारी। विद्यालय प्रधानाचार्या श्री पदम सिंह चौहान की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 15 स्टाफ सदस्यों (10 महिला, 05 पुरुष) और 250 छात्राओं एवं 210 छात्रों सहित कुल 476 लोगों ने भाग लिया और लाभ उठाया एवं एनडीआर एफ के इस कार्यक्रम की सराहना की।

ट्रेन में यात्रा कर रहा ड्रग्स तस्कर हिरासत में आया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेन में मादक पदार्थ के साथ यात्रा कर रहे युवक की सूचना मिलने पर आरपीएफ ने ट्रेन के उज्जैन पहुंचते ही सर्चिंग शुरू की और एस-1 कोच में सवार युवक को हिरासत में लिया। उसके पास से 80 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई है। जिसे इंदौर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सुपुर्द कियागया है। आरपीएफ निरीक्षक नरेन्द्र यादव ने बताया कि वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अमित प्रकाश मिश्रा के निर्देशन में जयपुर मनारगुडी से एक्सप्रेस से ड्रग्स तस्करीम का इनपुट मिला था। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर स्टाफ के साथ चेकिंग शुरू की गई। कोच एस-1 में पिट्ठू बैग लेकर बैठे युवक को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया और बैग की तलाशी ली तो उसमें से 80 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। युवक को कोच से आरपीएफ पोस्ट लाया गया। जहां पूछताछ में उसका नाम राजू विश्नोई पिता भंवरलाल निवासी ग्राम पीथावास जिला जोधपुर होना सामने आया। उसके पास से बरामद ड्रग्स 10 लाख रुपए कीमत की होना सामने आई है। युवक को इंदौर नारकोटिस कंट्रोल ब्यूरो के सुपुर्द किया गया है जहां उससे पूछताछ कर ड्रग्स तस्करी के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

मुख्य सड़क पर गड्ढों से ज्यादा खतरनाक बने आड़े रखे बैरिकेट्स

रोज हादसों का खतरा- आगर रोड मंडी गेट से चामुंडा चौराहे तक एक महीने से चल रही खुदाई- रात में स्थिति और गंभीर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल आगर रोड पर इन दिनों वाहन चालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। मंडी गेट चौराहे से लेकर गाड़ी अड्डा, कोयला फाटक, चरक अस्पताल के सामने और चामुंडा माता चौराहे तक सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं। निर्माण कार्य के चलते पिछले करीब एक महीने से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन सुरक्षा इंतजाम अधूरे होने से हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि निर्माण एजेंसी ने गड्ढों के आसपास लगाए जाने वाले बैरिकेट्स और स्टॉपर को व्यवस्थित रखने के बजाय कई जगह गड्ढों के ऊपर ही आड़े-तिरछे पटक दिया है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहन चालकों को ये बैरिकेट्स दूर से दिखाई नहीं देते। अचानक सामने आने पर वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं और हादसे की आशंका बढ़ जाती है। यह मार्ग दिनभर भारी ट्रैफिक से भरा रहता है। दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहन भी इसी रास्ते से गुजरते हैं। ऐसे में सड़क पर फैली यह अव्यवस्था लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वाहन चालक बैरिकेट्स और गड्ढों से बचने के प्रयास में फिसल चुके हैं और रोज छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कई स्थानों पर पर्याप्त रोशनी और रिफ्लेक्टर नहीं होने से बैरिकेट्स व गड्ढे समय रहते नजर नहीं आते। इससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए और तब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हुए बैरिकेट्स को व्यवस्थित ढंग से लगाया जाए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों की जान जोखिम में न पड़े।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल का खजाना खुला... 472 करोड़ की एफडी, 90 एकड़ जमीन और करोड़ों की नकदी

पहली बार सार्वजनिक हुई मंदिर समिति की कुल संपत्ति- 2025-26 में रिकॉर्ड 142 करोड़ की आय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर की आर्थिक ताकत पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आई है। अब तक मंदिर समिति केवल श्रद्धालुओं से प्राप्त दान और आय का ब्यौरा जारी करती थी, लेकिन पहली बार मंदिर की कुल वित्तीय और स्थायी संपत्तियों का खुलासा हुआ है। समिति के पास वर्तमान में 472 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), करीब 16 करोड़ रुपए की नकद राशि, लगभग 90 एकड़ बेशकीमती जमीन और बड़ी मात्रा में सोना-चांदी मौजूद है। हालांकि सोना-चांदी की कुल कीमत का आकलन अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

मंदिर समिति की एफडी यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया में जमा है। विभिन्न बैंक खातों में करीब 16 करोड़ रुपए नकद उपलब्ध हैं। मंदिर समिति के स्वामित्व वाली 90 एकड़ जमीन की कीमत भी करोड़ों रुपए आंकी जा रही है, हालांकि इनमें से कुछ जमीनों से जुड़े मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं।

महाकाल लोक के बाद बदली तस्वीर- 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई। पहले प्रतिदिन 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, जबकि अब सामान्य दिनों में यह संख्या बढ़कर डेढ़ से दो लाख प्रतिदिन तक पहुंच गई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ मंदिर की आय और दान में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

2025-26 में रिकॉर्ड 142 करोड़ की आय- वित्तीय वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) में मंदिर समिति को रिकॉर्ड 142 करोड़ रुपए की आय हुई। इसमें केवल दान मद से 78 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो पिछले छह वर्षों में सबसे अधिक है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में करीब 27 करोड़ रुपए अधिक रहा।

आय बढ़ी तो खर्च भी कई गुना बढ़ा....- महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर परिसर का क्षेत्रफल 2.82 हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 47 हेक्टेयर हो चुका है। वर्तमान में मंदिर समिति में 306 कर्मचारी कार्यरत हैं। कर्मचारियों के वेतन, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, रखरखाव, निर्माण कार्य, अन्नक्षेत्र, गोशाला, महाकालेश्वर वैदिक शोध संस्थान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्व-त्योहारों की व्यवस्थाओं पर हर वर्ष करीब 135 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। पहले मंदिर का मासिक खर्च लगभग ढाई करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 11 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

एक साल में 107 करोड़ का दान- वर्ष 2025 के दौरान करीब 6 करोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। इस अवधि में मंदिर को 107 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ। इसमें 43 करोड़ रुपए दान पेटियों से और 64 करोड़ रुपए शीघ्र दर्शन टिकट, रसीदों व अन्य माध्यमों से मिले।

सोना-चांदी का भी बढ़ा भंडार- श्रद्धालुओं ने वर्षभर में मंदिर को 592.36 किलो चांदी और 1.48 किलो सोना दान किया। वर्ष 2024 की तुलना में चांदी का दान करीब 193 किलो अधिक रहा, जबकि सोने के दान में मामूली कमी दर्ज की गई। मंदिर समिति के पास पहले से मौजूद सोना-चांदी की कुल मात्रा और उसकी अनुमानित कीमत अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

लड्डू प्रसादी से भी हुई बड़ी कमाई- मंदिर समिति को लड्डू प्रसादी की बिक्री से करीब 65 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने करोड़ों रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण भी भगवान महाकाल को अर्पित किए, जिससे मंदिर समिति की संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

एक नजर में महाकाल मंदिर की संपत्ति

-472 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

-16 करोड़ रुपए विभिन्न बैंक खातों में नकद राशि

-90 एकड़ मंदिर समिति की जमीन

-142 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड वार्षिक आय (2025-26)

-135 करोड़ रुपए का सालाना खर्च

-107 करोड़ रुपए का वार्षिक दान

-592.36 किलो चांदी और 1.48 किलो सोना वर्ष 2025 में दान

-65 करोड़ रुपए की आय लड्डू प्रसादी की बिक्री से

यह पहली बार है जब श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति की वित्तीय स्थिति, स्थायी संपत्तियों और बढ़ती आय-व्यय की इतनी विस्तृत तस्वीर सार्वजनिक रूप से सामने आई है। इससे साफ है कि महाकाल लोक बनने के बाद मंदिर की धार्मिक आस्था के साथ-साथ उसकी आर्थिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं का दायरा भी तेजी से बढ़ा है।

बारिश थमी तो बढ़ी गर्मी की तपिश, तीन दिन में पारा 3.8 डिग्री चढ़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले तीन दिनों से शहर और आसपास अच्छी बारिश नहीं होने का असर अब मौसम पर साफ दिखाई देने लगा है। बारिश की बेरुखी के चलते अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को दिनभर तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान किया। हालांकि शाम के समय चली ठंडी हवाओं से मौसम कुछ देर के लिए सुहाना हुआ और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया था, जो गुरुवार को 29 डिग्री और शुक्रवार को बढ़कर 31.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बारिश नहीं होने से शहर में उमस भी बढ़ गई है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होने पर ही तापमान में गिरावट और उमस से राहत मिलने की संभावना है। उधर, बारिश में देरी से किसानों की चिंता भी बढ़ने लगी है। कई किसान खरीफ फसलों की बुवाई कर चुके हैं और अब फसलों के बेहतर अंकुरण व शुरुआती बढ़वार के लिए अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेती पर असर पड़ सकता है।

कृषी विभाग की किसान भाइयों को सलाह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि श्री यू एस तोमर ने बताया कि जिले में सोयाबीन मुख्य फसल है, जिसका कुल रकबा लगभग 5 लाख हेक्टेयर है। जिले में सोयाबीन की बुवाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। फसल की मांग के अनुरूप प्रकृति ने भी अनुकूल साथ दिया है तथा सोयाबीन के लिए उपयुक्त वर्षा हुई है। पिछले तीन दिनों से मौसम खुला रहने के कारण किसान भाई तुरंत खरपतवार नियंत्रण का कार्य बड़ी तेजी से कर रहे हैं। वर्तमान में जिले की सोयाबीन फसलें लगभग 10 से 15 दिनों की हो चुकी हैं, जो खरपतवार नियंत्रण के लिए उचित समय है। किसान भाई सुविधा अनुसार खेतों में खरपतवार नियंत्रण हेतु ट्रैक्टर से या बैलों से कुल्पा/डोर चला रहे हैं। जहां खेतों में पर्याप्त नमी उपलब्ध है, वहां खरपतवारनाशी का उपयोग भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री रघुवंशी के पिता के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान शास्त्री नगर पहुंच कर उज्जैन में किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री अर्जुन सिंह रघुवंशी के पिता स्व श्री बाबूलाल रघुवंशी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

कार से आए शातिर चोरों ने दो मोबाइल शोरूम साफ किए, 1.10 करोड़ के मोबाइल और नकदी पर हाथ साफ

फीगंज में देर रात वारदात से दहशत, शटर उचकाकर मिनटों में दिया चोरी को अंजाम; सीसीटीवी में कैद हुए चार नकाबपोश बदमाश, पुलिस जांच में जुटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के व्यस्त फ्रीगंज इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात चोरों ने फिल्मी अंदाज में बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े कर दिए। सफेद कार से आए चार शातिर बदमाशों ने अमरसिंह मार्ग स्थित दो मोबाइल शोरूम के शटर उचकाए और करीब 1.10 करोड़ रुपए कीमत के मोबाइल फोन तथा हजारों रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

सुबह करीब 6 बजे हाई च्वाइस मोबाइल शोरूम संचालक नरेश सीतलानी को परिचित का फोन आया कि उनकी दुकान का शटर खुला हुआ है। वे मौके पर पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गए। शोकेस का सामान बिखरा पड़ा था और करीब 40 लाख रुपए कीमत के सैमसंग मोबाइल गायब थे। इसके अलावा करीब 45 हजार रुपए नकद भी चोर ले गए। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि घटना स्थल से महज 50 मीटर दूर स्थित एसएस मोबाइल शोरूम में भी चोरी हुई है। यहां भी बदमाशों ने शटर उचकाने के बाद कांच का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और करीब 70 लाख रुपए कीमत के मोबाइल समेट ले गए। दोनों दुकानों को मिलाकर चोरी की कुल राशि करीब 1.10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

मोबाइल और सुरक्षा सिस्टम की पूरी जानकारी थी- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश बेहद शातिर थे। दुकान में घुसते ही उन्होंने सबसे पहले सीसीटीवी का डीवीआर तलाशने की कोशिश की। मोबाइल उठाते समय भी वे यह जांचते रहे कि कहीं वह डेमो पीस तो नहीं है। खास बात यह रही कि उन्होंने आईफोन नहीं उठाए, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उन्हें ट्रैकिंग सिस्टम की जानकारी थी और वे पकड़े जाने का जोखिम नहीं लेना चाहते थे।

मास्क, टोपी और ग्लव्स पहनकर पहुंचे- सीसीटीवी फुटेज में चार बदमाश सफेद शर्ट, सिर पर टोपी, चेहरे पर काला मास्क और हाथों में ग्लव्स पहने दिखाई दे रहे हैं। उनके पास टॉर्च और कपड़े के थैले थे, जिनमें वे मोबाइल भरते नजर आए। बाहरी कैमरों में एक सफेद कार भी दिखाई दे रही है, जिससे वे वारदात के बाद फरार हो गए।

गश्त पर उठे सवाल, पुलिस खंगाल रही फुटेज- शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में एक ही रात में दो दुकानों में करोड़ों की चोरी ने पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों के भागने के रास्ते की जानकारी जुटाई जा रही है। व्यापारियों ने जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।